- खगड़िया संस्करण
- वर्ष: 5
- अंक: 159
- मूल्य ₹ 2.00
- पृष्ठ 06
- Reg: UDYAM-BR-17-0007168

दैनिक
बिहार पत्रिका
सच के साथ

दैनिक बिहार पत्रिका DAINIK BIHAR PATRIKA

पटना। शुक्रवार, 25 अक्टूबर 2024 web_dainikbiharpatrika.com Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com

कटिहार में अग्निवीर सेना भर्ती रैली 25 नवंबर से 4 दिसंबर तक

अररिया, बांका, बेगूसराय, भागलपुर, कटिहार, किशनगंज, खगड़िया, मधेपुरा, मुंगेर, पूर्णिया, सहरसा और सुपौल जिलों के युवा ले सकते हैं भाग

दैनिक बिहार पत्रिका/कटिहार

पूर्वी बिहार के 12 जिलों के युवाओं के लिए अग्निवीर भर्ती के लिए सेना भर्ती रैली 25 नवंबर से 4 दिसंबर तक गढ़वाल ग्राउंड (आर्मी कैंप), कटिहार में आयोजित की जाएगी। इस रैली में अररिया, बांका, बेगूसराय, भागलपुर, कटिहार, किशनगंज, खगड़िया, मधेपुरा, मुंगेर, पूर्णिया, सहरसा और सुपौल जिलों के युवा भाग ले सकते हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यालय सेना भर्ती क्षेत्र (बिहार और झारखंड) के तत्वावधान में सेना भर्ती कार्यालय, कटिहार द्वारा 22 अप्रैल 2024 से 03 मई 2024 तक पूरे भारत में ऑनलाइन कॉमन प्रवेश परीक्षा (सीईई) के आयोजन किया गया था। ऑनलाइन आवेदन के बाद शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के लिए 25 नवंबर 2024 से गढ़वाल ग्राउंड (आर्मी कैंप), कटिहार में सेना भर्ती रैली आयोजित की जा रही है। इस रैली की तैयारियों की समीक्षा के लिए गुरुवार को एक संयुक्त सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता जिला मजिस्ट्रेट मनेश कुमार मीणा ने की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा, कटिहार सेना भर्ती कार्यालय के निदेशक कर्नल आरके नरवाल, मेजर अरुण श्रीवास्तव, आरएमओ, एआरओ सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी मौजूद थे। जिला मजिस्ट्रेट ने शहर की पुलिस के तहत कानून और व्यवस्था, प्राथमिक चिकित्सा आपातकालीन चिकित्सा सहायता, रैली के संचालन के लिए बुनियादी ढांचे सहित रैली अवधि के दौरान वर्षा एवं ठंड के मौसम से सुरक्षा का आश्वासन दिया। उम्मीदवारों को ऑनलाइन जनरेट किए गए रंगीन रैली एडमिट कार्ड के साथ उपस्थित होना होगा। एडमिट कार्ड में उल्लिखित तिथि और समय पर ही उम्मीदवारों को कार्यक्रम स्थल पर पहुंचना चाहिए। सेना भर्ती कार्यालय कटिहार ने उम्मीदवारों के लिए हेल्पलाइन नंबर 06452-239035 और ईमेल आईडी sirsa.ktri@nic.in जारी की है। कर्नल आरके नरवाल नव युवाओं से आग्रह है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और देश की सेवा के लिए अग्निवीर बनें। यह भर्ती रैली पूर्वी बिहार के युवाओं के लिए एक अच्छा अवसर है, जहां वे अपनी योग्यता और क्षमता के अनुसार सेना में शामिल हो सकते हैं। रैली के दौरान उम्मीदवारों का शारीरिक मानक, शिक्षा योग्यता, और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की जाएगी। उम्मीदवारों को सभी आवश्यक दस्तावेजों को साथ लाना होगा।

विधवा की गला काट कर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

पति की मौत के बाद घर में अकेली रहती थी महिला

दैनिक बिहार पत्रिका/समस्तीपुर

विद्यापतिनगर। थाना क्षेत्र के मऊ धनेशपुर उत्तर पंचायत से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां एक महिला का सिर कटा शव उसके ही घर से बरामद किया गया है, जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फ़ैल गई है। मृतक महिला की पहचान मऊ धनेशपुर उत्तर पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या एक दमदमा गांव में रहने वाली गांगो पासवान की पत्नी उर्मिला देवी (50 वर्ष) उर्फ जट्टा बाली (उपनाम) के रूप में हुई है। मुखिया विवेकानन्द सिंह ने बताया कि मृतिका मूल रूप से साहिट पंचायत के मलकल्लीपुर गांव की निवासी थी। वह गत पांच वर्ष पूर्व से वार्ड संख्या एक में सड़क के किनारे सरकारी भूमि पर झोपड़ी बना कर रहती थी। उसके पति की मौत पहले ही हो चुकी है। उन्होंने बताया कि उक्त महिला गांगो पासवान की दूसरी पत्नी थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि महिला घर में अकेली रहती थी। गुरुवार की सुबह जब महिला की भैंस चारा के लिए चिल्ला रही थी, तब आस-पास के लोगों ने घर में जा कर देखा तो महिला का सिर कटा शव विस्तर पर पड़ा था। घटना की सूचना तत्काल पंचायत के मुखिया और पुलिस को दी गई। सूचना पर थानाध्यक्ष फिरोज आलम व सर्किल इंस्पेक्टर नीरज तिवारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुटे हैं। सर्किल इंस्पेक्टर नीरज तिवारी ने बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल की मदद ले रही है। आस-पास के लोगों से भी महिला के बारे में जानकारी एकत्र की जा रही है। इधर महिला की हत्या से पूरे गांव में सनसनी फ़ैल गई है। वहीं हत्या की इस गुत्थी को सुलझाते में पुलिस के पसीने छूट रहे हैं।

हथियार के बल पर लूटपाट की घटना को अंजाम देने वाला अपराधी गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

दरियापुर थाना द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर वांछित अभियुक्त पंकज कुमार को नगर थाना चौक छपरा से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति के पास से एक देशी पिस्तौल और नौ जिंदा कारतूस मिले हैं। दरियापुर थाना पुलिस को गुप्त सूचना के आधार पर थाने के वांछित अपराधी पंकज कुमार के बारे में सूचना मिली थी। इसी के आधार पर इंस्पेक्टर कामेश्वर यादव ने छापामारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। वह दरियापुर थाना क्षेत्र का रहने वाला बताया जाता है। सारण एसपी ने बताया कि पूछताछ के क्रम में और जब उसकी जांच की गई तो पता चला कि वह हथियार के बल पर लूटपाट की घटना को अंजाम देता है। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पंचायत प्रतिनिधियों का मानदेय भुगतान होगा शीघ्र : डॉ. तरुण

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर। स्थानीय प्राधिकार से निर्वाचित विधान पार्षद डॉ तरुण कुमार ने आज पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता से मिलकर वर्तमान में निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों का अप्रैल से सितंबर 24 एवं 2016 से 21 सत्र के लिए निर्वाचित पूर्व पंचायती राज के निर्वाचित प्रतिनिधियों जिला परिषद सदस्य, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य, सरपंच, ग्राम पंचायत के लम्बित मानदेय को इस त्यौहार के माह में भुगतान करने हेतू एक ज्ञापन सौंपा है। माननीय मंत्री ने अविलंब कार्रवाई की और तत्काल हीं संबंधित पदाधिकारी से स्थिती की समीक्षा की एवं संबंधित अधिकारी को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि यथा शीघ्र मानदेय का भुगतान करने की जाय।

छपरा: मछली पालकों को मिलेगा किसान क्रेडिट कार्ड, लगेगा मेगा कैंप

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

जिले के परसा प्रखंड के दिघरा पंचायत में आज मत्स्य पालकों के लिए एक मेगा कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में मत्स्य किसान क्रेडिट कार्ड और प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि योजना के तहत निबंधन की प्रक्रिया की जाएगी।किसान क्रेडिट कार्ड के लिए आवश्यक दस्तावेजों में पासपोर्ट साइज के दो फोटो, आधार कार्ड की छाया प्रति, जमीन से संबंधित दस्तावेज, रजिस्टर्ड लीज और बंदोबस्त जलकरों का पट्टा शामिल हैं। सभी आवश्यक दस्तावेज प्राप्त होने पर किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ मिल सकेगा।

जिला मत्स्य पदाधिकारी ने बताया कि यह योजना सभी प्रखंडों के योग्य लाभार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी है। इस प्रक्रिया के लिए एक नोडल पदाधिकारी की नियुक्ति की गई है।

MBA एवं BBM विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन मीट का आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/धीरज गुप्ता

गया। गया कॉलेज, गया के प्रबंधन विभाग द्वारा सत्र 2024-25 के MBA एवं BBM विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन मीट का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य ने दीप प्रज्वलित कर किया, जिसका मुख्य उद्देश्य नए विद्यार्थियों को प्रबंधन विभाग और उनके आगामी शैक्षणिक जीवन की रूपरेखा से परिचित कराना था।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता गया कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सतीश सिंह चंद्र ने की, जिन्होंने अपने भाषण में नए विद्यार्थियों का कॉलेज परिवार में स्वागत किया है। उन्होंने कॉलेज के गौरवशाली इतिहास, शैक्षणिक उत्कृष्टता और कॉलेज द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति समर्पण पर प्रकाश डाला गया है।प्रबंधन के विभागाध्यक्ष डॉ. अम्बरीष नारायण ने विभाग की शैक्षणिक गतिविधियों, विभागीय सुविधाओं, पाठ्यक्रम संरचना और विद्यार्थियों को उनके व्यक्तिगत विकास के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रबंधन शिक्षा के विभिन्न पहलुओं को सीखने और नेतृत्व कौशल विकसित करने पर ज़ोर दिया है। इसके साथ ही, प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने और एक सफल कैरियर बनाने के लिए विद्यार्थियों को अनुशासन और कठोर परिश्रम की आवश्यकताओं पर भी बल दिया है।इस अवसर पर प्रबंधन विभाग के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. महेश्वर यादव, डॉ. सुशांत मुखर्जी, डॉ. फ़ारुख हयात, अमृता सिन्हा, अजीत राज, सुजीत पाठक ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने के लिए प्रेरित किया है। सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों को एक उज्जवल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। प्रबंधन विभाग के प्रभा शंकर दयाल, आईटी नोडल अमरजीत कुमार सहित शिक्षकेत्तर कर्मचारीगण शाहिदा ईमाम, सैयद खान, कामिनी देवी, उमेश कुमार तथा शीला ने भी इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया है।

अंडर 19 फुटबॉल टूर्नामेंट में बांका ने खगड़िया को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराया

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार के नेतृत्व में बांका जिला खेल के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। जिला पदाधिकारी द्वारा लगातार बैठक और निरीक्षण के माध्यम से बांका जिला में खेल के विकास के लिए प्रयास रत रहते हैं।

जिला पदाधिकारी के निर्देश पर जिला खेल पदाधिकारी भी सभी खिलाड़ियों से भेंट कर और दूरभाष के माध्यम से उनकी समस्याओं को सुनते हैं और उसके समाधान करते हैं।

इसका परिणाम है कि आज खगड़िया में आयोजित राज्यस्तरीय अंडर 19 फुटबॉल टूर्नामेंट में बिहार के 38 जिला के टीम द्वारा भाग लिया गया। फाइनल में बांका और खगड़िया द्वारा भाग लिया गया, जिसमें बांका ने खगड़िया को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराया। बांका फुटबॉल टीम अब बिहार टीम का नेतृत्व करेंगे और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित नेशनल फुटबॉल टीम में भाग लेंगे। जिला पदाधिकारी के द्वारा खिलाड़ी के जीतने पर बधाई देते हुए उनके सुनहरे भविष्य की शुभकामना दी गई। मालूम हो की इस टूर्नामेंट का आयोजन खगड़िया में 17 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक किया गया था।

बांका: दो साइबर अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार कर किया भोपाल पुलिस के हवाले

दैनिक बिहार पत्रिका/अमित कु. शर्मा

बौंसी/बांका:- बंधुआकुरावा थाने की पुलिस ने मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल साइबर थाना कांड संख्या 28/22 के दो अप्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान बंधुआकुरावा थाना क्षेत्र के अंबातरी गांव निवासी गोपाल पासवान के पुत्र निरंजन पासवान एवं नागो पासवान के पुत्र राजा पासवान के रूप में की गयी है। थानाध्यक्ष मंटू कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश भोपाल साइबर थाने से आई सीआई थानाध्यक्ष नीतू कुंसारिया, सचिन यादव, राहुल साहू एवं स्थानीय पुलिस के द्वारा संयुक्त छापेमारी के बाद दोनों अप्राथमिकी अभियुक्त को अंबातरी गांव से गिरफ्तार किया गया था। थानाध्यक्ष ने बताया कि साइबर ठगी के जरिये दोनों अप्राथमिकी अभियुक्त के द्वारा पेंशनधारी के खाते से 27 लाख रुपये की ठगी कर ली गई थी। जिसके कारण पेंशन धारी की पत्नी सदमे को बर्दाश्त नहीं कर सकी और उनकी अचानक मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि दोनों को गिरफ्तार करने के बाद बांका कोर्ट में दोनों की पेशी कराई गई। पेशी कराने के उपरांत दोनों अप्राथमिकी अभियुक्त को रिमांड पर भोपाल पुलिस भोपाल लेकर चली गई।

आरोग्यधाम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का शुभारंभ

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

छपरा शहर के भगवान बाजार थाना अंतर्गत लल्लू मोड़ के समीप आरोग्यधाम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का शुभारंभ रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव स्वामी आतिदेवानंद महाराज के द्वारा विधिवत फीता काटकर किया गया। पूजा-अर्चना के बाद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के मुख्य चिकित्सक डॉक्टर ओंकार नाथ ने बताया कि इस अस्पताल में इमरजेंसी के साथ जेनरल मेडिसिन, ऑर्थोपेडिक्स, पीडियाट्रिक्स, ओपीडी, गायनी, आईसीयू एवं न्यूरो सर्जरी की सुविधा न्यूनतम शुल्क पर उपलब्ध रहेगी। मौके पर शहर के अनेक चिकित्सक गण मौजूद रहे।

राज्यभर में डेंगू के 165 नए मरीज मिले, पटना में 73

दैनिक बिहार पत्रिका/पटना

राज्य में डेंगू मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। राज्य भर में बुधवार (23 अक्टूबर) को 165 डेंगू मरीज मिले हैं। इसमें इसमें सिर्फ पटना के 73 डेंगू पीड़ित हैं। पूरे राज्य में एक जनवरी से 23 अक्टूबर तक डेंगू मरीजों की कुल संख्या 6239 हो गई है। इस साल अब तक सिर्फ पटना में ही 3088 लोग डेंगू से पीड़ित हो चुके हैं। 165 नए डेंगू मरीज में पश्चिम चंपारण में 14, गोपालगंज में 12, गया में 10, पूर्वी चंपारण में 8, सारण में 6, बेगूसराय में 5, समस्तीपुर में 4 डेंगू के नए मरीज मिले हैं।

सीएसपी संचालक से तीन नकाबपोश बदमाश ने लूटा नगदी ₹40000

दैनिक बिहार पत्रिका/उमाकांत साह

चांदन/बांका:- प्रखंड के सुइयां थाना अंतर्गत भेलवा गांव अवस्थित यूको बैंक के संचालित सीएसपी में गुरुवार को दिनदहाड़े बारह बजे के करीब नकाबपोश तीन लुटेरे ने हथियार का भय दिखाकर नगदी ₹40000 लुट लेने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार सीएसपी संचालक बंगाली यादव पिता उमेश यादव साकिन पहाड़पुर रोज कि तरह सीएसपी चला रहा था। इस संदर्भ में सीएसपी संचालक बंगाली यादव ने बताया कि 11:50 मिनट पर अचानक एक बाइक पर काला गमछा लपेटे तीन बदमाश आया, और हाथ में हथियार लिए अंदर घुस कर पहले मेरा मोबाइल छीन लिया फिर तिजोरी का चाभी लेकर तिजोरी में रखा ₹40000 नगदी समेत आवश्यक दस्तावेज लेकर भेलवा गांव होते हुए पहाड़ीया कि ओर निकल गया। जाते-जाते धमकी देते गया कि बाहर निकलना है, नहीं तो जांन मार देंगे। घटना के बाद हो हल्ला मचाने के जब तक लोग जान पाते,तब तक तीनों लूटेरे निकल चुका था। इस घटना को पीड़ित सी एस पी संचालक बंगाली यादव ने सुइयां थाना में अज्ञात लुटेरे कि खिलाफ आवेदन देकर कार्रवाई करने कि मांग कि है। इस संबंध में सुईया थाना अध्यक्ष विशाल कुमार ने बताया कि पुलिस मामले कि छानबीन कर रही है। जबकि इस संदर्भ में पीड़ित सी एस पी संचालक बंगाली यादव ने बताया घटना कि जानकारी सुइयां थाना अध्यक्ष विशाल कुमार को देने पर पहले डांट डपट किया गया, और लुटने का सबूत मांगा गया, फिर बहुत देर बाद सुइयां थाना पुलिस शाम छः बजे इन्क्वायरी करने सीएसपी पहुंचे।

छठ पर्व की तैयारी हेतु छठ घाट का किया गया निरीक्षण एवं सफाई कार्य

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- छठ पूजा प्रकृति को समर्पित पर्व है जिसमें सूर्यदेव और छठी मैया की पूजा होती है। यह पर्व चार दिनों तक चलता है जिसका आरंभ चतुर्थी तिथि से हो जाता है और समापन सप्तमी तिथि पर होता है। छठ पर्व पर व्रती कमर तक जल में प्रवेश कर सूर्यदेव को अर्घ्य देते है। छठ महापर्व षष्ठी तिथि को मनाया जाने वाला पर्व है जो बेहद कठिन है। यह पर्व नियम संयम और तपस्या का पर्व है जो चारों दिनों तक चलता है, लेकिन इसकी तैयारी हफ्ते पहले से ही शुरू हो जाती है। आपको बता दें कि, छठ पर्व मूल रूप से बिहार और पूर्वांचल से शुरू हुआ माना जाता है। लेकिन अब यह भारत के अलग अलग राज्यों में और विदेशों में भी मनाया जाने लगा है और बिहार और पूर्वांचलवासी ही नहीं अन्य क्षेत्रों में रहन वाले लोग भी अब छठ पर्व के प्रति आस्थावान होकर छठ व्रत करने लगे हैं। छठ पर्व मुख्य रूप कार्तिक शुक्ल षष्ठी तिथि को मनाते हैं लेकिन इसके अलावा चैत्र शुक्ल षष्ठी तिथि का छठ पर्व जिसे चैती छठ कहते हैं यह भी काफी प्रचलित है। इस तरह दो छठ व्रत विशेष रूप से महत्व है। दोनों ही छठ पर्व भगवान सूर्य को और षष्ठी माता को समर्पित है। इसलिए छठ पर्व में भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है और छठ मैया की पूजा कथा की जाती है। छठ मैया के बारे में कथा है कि यह ब्रह्माजी की मानस पुत्री हैं और सूर्यदेव की बहन हैं।

छठ मैया को संतान की रक्षा करने वाली और संतान सुख देने वाली देवी के रूप में शास्त्रों में बताया गया है जबकि सूर्यदेव अन्न और संपन्नता के देवता है। इसलिए जब रवि और खरीफ की फसल कटकर आ जाती है तो छठ का पर्व सूर्य देव का आभार प्रकट करने के लिए चैत्र और कार्तिक के महीने में किया जाता है। छठ पर्व मुख्य रूप से षष्ठी तिथि को किया जाता है। लेकिन इसका आरंभ नहाय खाय से हो जाता है यानी छठ पर्व शुरुआत में पहले दिन व्रती नदियों में स्नान करके भात,कद्दू की सब्जी और सरसों का साग एक समय खाती है। दूसरे दिन खरना किया जाता है जिसमें शाम के समय व्रती गुड़ की खीर बनाकर छठ मैय्या को भोग लगाती हैं और पूरा परिवार इस प्रसाद को खाता है। तीसरे दिन छठ का पर्व मनाया जाता है जिसमें अस्त होते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है और चौथे दिन सप्तमी तिथि को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पर्व को समापन किया जाता है। जिला पदाधिकारी बांका अंशुल कुमार के निर्देश पर जिले भर के विभिन्न प्रखंडों के नगर पंचायत में छठ पर्व की तैयारी हेतु छठ घाट का निरीक्षण एवं सफाई कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में कटोरिया एवं बौंसी नगर पंचायत में छठ पर्व की तैयारी हेतु छठ घाट का निरीक्षण एवं सफाई कार्य किया जा रहा है।

नगर पंचायत के विभिन्न छठ घाटों का लिया जायजा

दैनिक बिहार पत्रिका/अमित कुमार शर्मा

बौंसी/बांका:- गुरुवार को नगर पंचायत बौंसी के प्रभारी कार्यपालक पदाधिकारी प्रशिक्षु आईएएस अनिरुद्ध पांडे, सहायक कार्यपालक पदाधिकारी नेहा रानी एवं नगर अध्यक्ष श्रीमती कोमल भारती के द्वारा संयुक्त रूप से नगर पंचायत के विभिन्न छठ घाटों का जायजा लिया गया। नगर अध्यक्ष कोमल भारती ने जानकारी देते हुए बताया कि छठ पर्व के दौरान छठ व्रतियों को नगर पंचायत की ओर से बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। उन्होंने बताया कि सभी छठ घाटों पर साफ सफाई, लाइटिंग के अलावा अस्थाई चेंजिंग रूम का निर्माण करवाया जायेगा। जबकि खतरनाक घाटों पर सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बांस से बैरिकेटिंग करवाने का कार्य किया जायेगा। जबकि भीड़ भाड़ को ध्यान में रखते हुए पापहरणी एवं आगरा जोर छठ घाट पर प्रशासन के लिये कंट्रोल रूम का निर्माण भी करवाया जायेगा। बताया गया की मौसम ठीक होने के उपरांत सभी छठ घाटों पर कार्य आरंभ कर दिया जायेगा। मौके पर नगर पंचायत कर्मी मुकेश कुमार, धर्मवीर भगत सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पुलिसिया जुल्म के शिकार महिलाओं ने जीप सदस्य से सुनाई अपनी पीड़ा

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- गुरुवार को नगरडीह मामले में पुलिसिया जुल्म की शिकार महिलाओं ने जिप सदस्य विश्वजीत दिपांकर से अपनी पीड़ा सुनाई। जिप सदस्य सह प्रदेश जिप अध्यक्ष दिपांकर जिलाधिकारी अंशुल कुमार एवं एस पी डा सत्य प्रकाश से मिलकर कर नगरडीह की महिलाओं की शिकायत को रखा। दोनों पदाधिकारियों ने महिलाओं के साथ हुए मारपीट समेत किसी तरह की कार्रवाई नहीं करने का एवं बाहर पढ़ाई करने वाले छात्रों को इस मामले से बाहर रखने का भरोसा दिया। इसके पूर्व पीड़ित महिलाओं ने उनके साथ किये गए मारपीट एवं दुर्व्यवहार की जिप सदस्य को जानकारी दी। कहा कि जबरन पुलिस करीब चालीस घरों में घुस कर महिलाओं के साथ पुलिस में मारपीट की । महिला पुलिस चुपचाप खड़ी थी। जानकारी के अनुसार शकुंतला देवी ,खुशबू देवी, किरण देवी, सविता देवी, कल्पना देवी ,रुचि कुमारी, सीता देवी, शांति देवी, वीणा देवी, रेणु देवी, आभा देवी, समेत 40 महिलाओं को पुलिस ने मार मार कर जख्मी कर दिया है। गांव की स्थिति ऐसी बनी हुई है कि इलाज के लिए भी कोई किसी सरकारी अस्पताल जाने में डरती है। गांव से मर्द पलायन कर चुके हैं। सिर्फ महिलाएं बची हुई है। जिप सदस्य ने कहा कि वे उनके साथ हैं। उन्होंने ग्रामीणों से शांति पूर्वक रहने की अपील की।

राइस मिल का किया गया भौतिक सत्यापन

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- धान अधिप्राप्ति 2024-25 हेतु गुणवत्ता युक्त चावल लेने हेतु जिला पदाधिकारी बांका अंशुल कुमार के निर्देश पर गुरुवार को बांका जिला अंतर्गत रजौन और बौंसी के राइस मिल का भौतिक सत्यापन किया गया। जिसमें रजौन प्रखण्ड अंतर्गत जय माता दी राइस मिल, जय मां अम्बे राइस मिल, मा तारा राइस मिल, रजौन व्यापार मंडल राइस मिल, और बौंसी प्रखण्ड अन्तर्गत दलिया पैक्स राइस मिल का सत्यापन संयुक्त जांच टीम के द्वारा किया गया, जिसमें वरीय उप समाहर्ता अधिप्राप्ति अंकित कुमार और जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम, बांका रंजन कुमार राजीव के अतिरिक्त संबंधित मिल के प्रोपराइटर भी थे।

सी०एच०सी० में यू डी आई डी शिविर का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- अपर मुख्य सचिव, समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना का के पत्र के आलोक में राज्य के प्रत्येक दिव्यांगजनो को विशिष्ट पहचान पत्र यू डी आई डी कार्ड प्रदान करने के उद्देश्य से यू डी आई डी परियोजना का कार्यान्वयन दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रांलय, भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है। जिसका संचालन बिहार राज्य में स्वास्थ्य विभाग एवं समाज कल्याण विभाग, बिहार सरकार के सहयोग से किया जा रहा है। यह विदित है कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओ को लाभ प्राप्त करने हेतु यू डी आई डी कार्ड एकल दस्तावेज के रूप में मान्य है। दिव्यांगजनों का यू डी आई डी कार्ड का निर्माण हेतु सतत / निरंतर प्रक्रिया एवं अभियान के अतिरिक्त समय-समय पर विशेष शिविर लगाये जाने की आवश्यकता है, जिसकी शुरूआत दिनांक 17 अक्टूबर से 30 अक्टूबर के एक स्लॉट में किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को अमरपुर प्रखंड के सी०एच०सी० में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 150 आवेदन शिविर में एवं 75 आवेदन ऑफलाइन प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार कुल 225 आवेदन प्राप्त हुए। प्रखंड बौंसी प्रखंड के सी०एच०सी० में शिविर का आयोजन किया किया गया। जिसमें कुल 21 आवेदन प्राप्त हुए हैं। वहीं स्वावलंबन पोर्टल पर कुल लंबित आवेदनों की संख्या 2081 है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया गया निरीक्षण

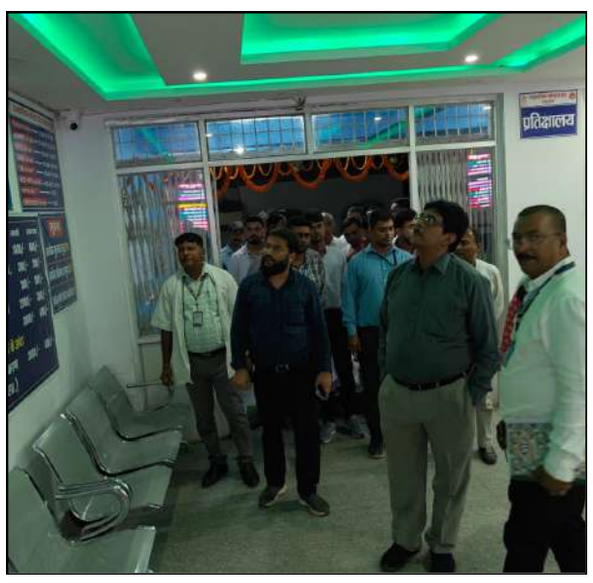

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- गुणवत्ता यकीन का प्रमाणीकरण हेतु राज्य स्तरीय टीम द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शंभूगंज का निरीक्षण किया गया। जिसमें अस्पताल के विभिन्न विभागों का निरीक्षण एवं मूल्यांकन किया गया। इस दौरान प्रसव कक्ष, ओ0पी0डी0, सामान्य वार्ड सहित सम्पूर्ण स्वास्थ्य केंद्र का जांच किया गया।

शंभुगंज जांच के दौरान व्यवस्थाओं से राज्य स्तरीय टीम संतुष्ट दिखी। यह जांच प्रक्रिया अभी चल रही है। निरीक्षण के दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक, बांका मौजूद थे।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/कामेश्वर साह

फुल्लीडुमर/बांका:- 24 अक्टूबर 2024 दिन गुरुवार को फुल्लीडुमर प्रखंड क्षेत्र के तेलिया पहाड़ पंचायत के पंचायत भवन में संबंधित पंचायत के मुखिया विनय कुमार सिंह की अध्यक्षता में एवं डॉक्टर प्रणव कुमार सिंह की उपस्थिति में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।

आयोजित जांच शिविर में 110 मरीजों का निःशुल्क नेत्र जांच की गई। वहीं इसकी जानकारी देते हुए डॉक्टर प्रणव कुमार सिंह ने बताया कि जांच के दौरान 50 से 55 मरीज मोतियाबिंद के पाए गए। आगे उन्होंने बताया कि सभी मोतियाबिंद मरीजों का ऑपरेशन कौशल्या रिसर्च सेंटर भागलपुर में आयुष्मान भारत योजना द्वारा निःशुल्क किया जाएगा।

वहीं आयोजित नेत्र जांच शिविर को सफल बनाने में एरिया मैनेजर मोनू कुमार सिंह सहित कई ग्रामीणों ने सक्रिय सहयोग किया।

उड़ान परियोजना के अंतर्गत चलाया गया जागरूकता कार्यक्रम अभियान

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- महिला एवं बाल विकास निगम, बिहार सरकार, यूनिसेफ एवं प्रथम संस्था के संयुक्त तत्वावधान द्वारा उड़ान परियोजना के अंतर्गत बाँका प्रखण्ड के लखनौड़ी और लकड़ीकोला पंचायत सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध में किशोर-किशोरी समूह के नेतृत्व द्वारा उनके टोलों में जागरूकता कार्यक्रम अभियान चलाया गया। किशोरी समूह और किशोर समूह के सदस्यों ने चित्रकारी कर बाल विवाह, बाल श्रम, शिक्षा,दहेज प्रथा, लिंग भेदभाव आदि विषयों पर अपना मन्तव्य रखा। जिसमें समूह समुदाय के लोगों को बाल विवाह,बालश्रम,शिक्षा, दहेज प्रथा, लिंग भेदभाव विषयों पर जागरूक किया गया तथा उन्हें शपथ भी दिलाया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु संबन्धित पंचायत के विकास मित्र इंदु देवी, रूबी देवी, किशोर-किशोरी समुद के सदस्य, जीविका दीदी, स्थानीय शिक्षक, प्रथम संस्था के जिला समन्वयक पंकज कुमार,व ग्रामीणों ने सहयोग किया।

राज्यस्तरीय तरंग कला व खेल प्रतियोगिता में चयनित 6 बच्चे दिखाएंगे प्रतिभा का दम

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- राज्य स्तरीय तरंग कला और खेल प्रतियोगिता में जिलास्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित 6 बच्चे अपनी कला व खेल प्रतिभाग का दम दिखाने के लिए तैयार है। विभिन्न विधाओं में चयनित प्रथम तीन प्रतिभागियों को प्रथम,द्वितीय व तृतीय पुरस्कार तो चतुर्थ से लेकर 10वें स्थान पाने वाले होनहारों को सांत्वना पुरस्कार मिलेंगे। एससीआरटी की ओर से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए तिथि निर्धारत कर दी गयी है। पटना में एससीईआरटी परिसर में 21-22 अक्टूबर को कला प्रतियोगिता तो पाटलिपुत्रा खेल परिसर में 24-25 अक्टूबर को खेल प्रतियोगिता होगी। जिला स्तर से कला प्रतियोगिता में अष्टम वर्ग के छह व खेल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने वाले छह से आठ वर्ग के बच्चों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है. डीईओ चयिनत बच्चों की सूची भेजते हुए कहा है कि निर्धारित तिथि को छह बजे सुबह में पटना के लिए प्रस्थान होना है। दोनों प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों का रिर्पोटिंग स्थल एससीईआरटी महेन्दू पटना है। इसमें प्रतिभागी बच्चों के साथ एस्कॉर्ट के रूप में एक महिला शिक्षिका(प्रशिक्षण महाविद्यालयस से संबद्धता अभ्यास विद्यालय की शिक्षिका) व प्रशिक्षण महाविद्यालय से कला एवं खेल के संयोजक व्याख्याता निर्धारित तिथि अनुरूप पटना के लिए प्रस्थान करेंगे। कला प्रतियोगिता में इन स्कूल के इन खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है चयन विधा का नाम बच्चों का नाम वर्ग विद्यालय का नाम 1. मूर्तिकला मुस्कान कुमारी अभ्यास मध्य विद्यालय बांका 2. गायन कला आराध्या कुमारी रा० क० म० वि० बाँका 3. मूर्ति कला रिया चौधरी प्रोन्नत मध्य विद्यालय देवदा बांका 4.चित्रकला पूजा राय अभ्यास भ० वि० बाँका 5.रंगोली सारिया बेगम उर्दू प्रो० म० वि० बालक, बाँका 6.निबंध लेखन पल्लवी कुमारी रा० क० म० वि० बाँका।

साइबर सुरक्षा जागरूकता को लेकर स्कूली बच्चों का कार्यशाला आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बौंसी/बांका:- बांका पुलिस के साइबर थाना की पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक डॉ सत्यप्रकाश के निर्देश पर बांका मुख्यालय पुलिस उपाधीक्षक सह साइबर थानाध्यक्ष विनोद कुमार के नेतृत्व में स्कूली बच्चों के बीच साइबर सुरक्षा और जागरूकता को लेकर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला का आयोजन जिले के बौसी थाना अंतर्गत एसबीपी स्कूल के बच्चों के बीच किया गया। जिसमें साइबर थाना के इंस्पेक्टर अमित कुमार द्वारा मास्टर ट्रेनर की भूमिका निभाते हुए बच्चों को साइबर अपराध और इसके दुष्परिणामों के बारे में जानकारी देते हुए विभिन्न साइबर अटैक और फ्रॉड के बारे में भी विस्तार से बचाया साथ ही इससे बचने के उपाय भी बच्चों को बताया गया। राज्यभर में बिहार पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागरूकता सप्ताह में छात्रों को संबोधित करते हुए साइबर सेल के टेक्निकल एक्सपर्ट प्रशांत कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि एटीएम फ्रॉड, बैंक और सोशल मीडिया अकाउंट से संबंधित पासवर्ड और ओटीपी फ्रॉड, क्यूआर कोड स्कैम, साइबर स्टॉकिंग, शोल्डर सर्फिंग फ्रॉड, सेक्सटोरशन,एइपीएस बैंकिंग, कार्ड और अकाउंट ब्लॉक, डेबिट क्रेडिट कार्ड ब्लॉक फ्रॉड आदि के माध्यम से आज लोगों को शारीरिक,आर्थिक और मानसिक क्षति पहुंचाने के साथ ही किसी व्यक्ति की छवि खराब करने का अपराध आजकल तेजी से बढ़ रहा है।जिसके प्रति लोगों को जागरूक और सचेत रहने की आवश्यकता है।इसके साथ ही किसी भी तरह के साइबर अटैक का शिकार बनने पर तुरंत नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल के टॉल फ्री नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं और थाना में भी सूचना दें ताकि ऐसे अपराधों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपराधियों पर नकेल कसा जा सके।साइबर सेल के गोविंदा कुमार ने कार्यशाला में मौजूद स्टूडेंट्स और टीचर को साइबर अपराध से बचने के लिए कुछ एहतियात बरतने के टिप्स देते हुए बताया कि केवाईसी सहित कोई भी बैंक से संबंधित या निजी जानकारी फोन पर कभी साझा नहीं करें।

अधिक कमाने के उद्देश्य से कोई ऐप डाउनलोड करने से बचें। संदिग्ध और असत्यापित लिंक खोलनेऔर क्यूआर कोड स्कैन करने से बचे। फर्जी जॉब ऑफर से सावधान रहें और एटीम सहित अन्य अकाउंट का पासवर्ड मजबूत रखें तथा निरंतर अंतराल पर बदलते रहें।

फिर भी अगर साइबर फ्रॉड के चंगुल में फंसते हैं तो तुरंत भारत सरकार के www.cybercrime.gov.in पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें।इस दौरान प्रश्नोत्तरी सेशन में छात्र छात्राओं ने अपने मन में उठ रहे फिशिंग और फोटोशॉप कर प्रताड़ित करने वाली समस्याओं के उलझे सवालों का जवाब बड़ी सरलता से साइबर एक्सपर्ट की टीम से प्राप्त कर संतुष्ट दिखे। कार्यशाला का समापन विद्यालय के प्रधानाध्यापक अंजनी कुमार सिंह ने ऐसे जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के लिए बांका पुलिस को धन्यवाद देते हुए जिला प्रशासन के प्रति भी आभार प्रकट किया| और बच्चों को अपने आस पड़ोस में भी साइबर सुरक्षा के जानकारी को दूसरों से शेयर करते आमजनों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया और इंटरनेट के दुष्प्रभाव से बचने और अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने की भी हिदायत दी है।

दिव्यांग दंपती हत्याकांड मामले में खपड़ा गांव में मातम पसरा

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका: जिले के शंभूगंज थाना क्षेत्र के खपड़ा गांव के वृद्ध दिव्यांग दंपती की हत्या से गांव में शोक की लहर बह रही है। गांव के हर एक लोगों द्वारा इस घटना पर आश्चर्यचकित व्यक्त कर रहे हैं। जबकि गांव के कुछ लोग इस हत्याकांड मामले में करीब एक बीघा जमीन का लोभ बताया जा रहा है। बुधवार की सुबह करीब आठ बजे बहियार में कुछ किसानों ने वृद्ध दंपति को झोपड़ी में मृत पाया।किसानों ने घटना की जानकारी ग्रामीणों को दी। एक बदमाश का चप्पल छूट जाने से खोजीं कुत्ता ने बदमाश का चप्पल मुंह मेंलेकर जगह-जगह दौड़ लगाया। वहीं सूंघते हुए करीब चार सौ मीटर दूर नजदीक गहरा नदी बांध किनारे डाग पहुंच गया। लेकिन नदी में पानी डागी के लिए अवरोध बन गया। फिर भी डाग स्क्वायड की टीम ने हिम्मत नहीं हारी है। वहीं वैज्ञानिक तरीके से जांच कराने से ग्रामीणों को हत्यारा की सुराग की पता लगने की आशा पुलिस से बंधी हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर वैज्ञानिक तरीके से जांच पड़ताल शुरू कर दी। वृद्ध अनिरुद्ध यादव एवं पत्नी चौरसिया देवी हत्याकांड पुलिस के लिए अबूझ पहेली बनी हुई है। जिस कारण प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष कुमारी सिया भारती ने कांड का खुलासा के लिए भागलपुर से डाग स्क्वायड और एफएसएल की टीम बुलाकर वैज्ञानिक तरीके से जांच शुरू कर दी है। इसके पूर्व गोयड़ा गांव में सुप्तावस्था में एक वृद्ध की हत्या हुई थी।

आभूषण दुकानो की सुरक्षा को ले विशेष निर्देश,छह जोन मे बंटा पुलिस पेट्रोलिंग

सुरक्षा व्यवस्था की जांच के लिए पुलिस पदाधिकारियों की एक टीम गठित

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

शहरी क्षेत्र में सुपर पेट्रोलिंग में भगवान बाजार, टाउन थाना, एससी एसटी थाना ,महिला थाना ,मुफस्सिल थानों के पुलिस पदाधिकारी को शामिल किया गया है। एसपी डॉ कुमार आशीष कुमार ने बताया कि सुपर पेट्रोलिंग को पहले से और बेहतर बनाया गया है। छह जोन में पुलिस पेट्रोलिंग को बांटा गया है। शहरी व देहाती क्षेत्रों के थानाध्यक्षों को निर्देश दिया गया है कि उनके थाना क्षेत्र में जितनी भी सोना चांदी की दुकानें है वहां सीसीटीवी कैमरे किस स्थिति में हैं, इसकी जांच करें और उसे ठीक कराने का निर्देश दिया गया है। सोना चांदी के दुकान पर काम करने वाले सभी स्टाफ का मोबाइल नंबर और उनके बारे में विस्तृत जानकारी भी थानेदार को सोना चांदी के दुकानदार उपलब्ध कराएंगे। एसपी ने बताया कि सोनपुर अनुमंडल, छपरा सदर अनुमंडल तथा मढौरा अनुमंडल में भी सुपर पेट्रोलिंग की व्यवस्था की गई है। सुपर पेट्रोलिंग में इंस्पेक्टर और डीएसपी को भी रात्रि में निकलने और पेट्रोलिंग की जांच करने का निर्देश दिया गया है।

समस्तीपुर : केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के वैज्ञानिकों ने किया सरसों बीज का वितरण

दैनिक बिहार पत्रिका/ समस्तीपुर

विद्यापतिनगर। डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा एवं कृषि विज्ञान केन्द्र लादा, समस्तीपुर के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित भाजपा मंडल उपाध्यक्ष विपिन गिरि के आवास पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें किसानों को बेहतर कृषि एवं अच्छे उत्पादन के गुर सिखाए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने की, जबकि संचालन मंडल अध्यक्ष अमित कुमार जायसवाल ने किया। इस अवसर पर डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा से आए हुए केंद्रीय प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य जय कृष्ण झा, वरीय वैज्ञानिक डॉ सुनीता

कुशवाहा, वैज्ञानिक डॉ इमती तथा विकास कुमार को भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने अंगवस्त्र, पाग एवं माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य जय कृष्णा झा ने कहा कि सभी किसानों को विश्वविद्यालय से जुड़ना चाहिए, ताकि उन्हें समय-समय पर कृषि में होने वाले बदलाव एवं उन्नत किस्म के बीज तथा कीटनाशकों के बारे में जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि मिट्टी की उर्वरा शक्ति के अनुसार ही उर्वरक का प्रयोग किया जाना चाहिए तथा मौसम अनुकूल कृषि पर बल देना चाहिए। वहीं वैज्ञानिक डॉ सुनीता कुशवाहा ने कहा कि सरकार किसानों के लिए अनेक योजनाएं चला रही है, जिसका लाभ उठाकर किसान अपनी कृषि के साथ-साथ जीवन पद्धति में भी बदलाव ला सकते हैं। इस अवसर पर करीब 200 किसानों के बीच एक-एक किलोग्राम निशुल्क सरसों का बीज वितरण किया गया। मौके पर अविनाश भारद्वाज, राकेश राय, कैलाश पासवान, विपिन गिरी, नरेश महतो, सुनील सिंह, शंकर सिंह आदि मौजूद थे।

छपरा : 28 अक्टूबर को होगा नियोजन कैंप का आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

अवर प्रादेशिक नियोजनालय छपरा, सारण से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रम संसाधन विभाग के तत्वाधान में 28 अक्टूबर 2024 को पूर्वाह्न 11:00 से अपराहन 4:00 बजे तक अवर प्रादेशिक नियोजनालय छपरा कार्यालय परिसर में एक दिवसीय नियोजन कैंप का आयोजन किया गया है। इसमें नियोजक चैतन्य इंडिया फाइनेंस क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड, सिवान के द्वारा सारण, छपरा हेतु रिक्तियों के विरुद्ध चयन किया जाएगा। जिला नियोजन पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि इस नियोजन कैंप में कस्टमर रिलेशनशिप ऑफिसर के 50 रिक्त पद हेतु चयन किया जाएगा। इस पद हेतु शैक्षणिक योग्यता दसवीं, बारहवीं पास होना आवश्यक है। उम्र सीमा 18 से 28 वर्ष रखी गई है। वेतन-11080 रुपया के अलावा इंसेंटिव 5000 से 10000 रुपया होगा। नियोजन शिविर में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक है कि उनका निबंधन जिला नियोजनालय में हो। नियोजनालय में निबंधन की प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है जो कि भारत सरकार के पोर्टल www.ncs.gov.in के माध्यम से होता है। कोई भी अभ्यर्थी स्वयं भी उपरोक्त पोर्टल के माध्यम से अपना निबंधन कर सकता है। नियोजन कैम्प में भी ऑनलाइन नियोजनालय निबंधन की व्यवस्था रहेगी। अवर प्रादेशिक नियोजनालय छपरा में भी ऑनलाइन निबंधन हेतु संपर्क किया जा सकता है।

बैठक: प्रखंड किसान संघर्ष समिति की हुई बैठक

सुपौल। सोनू कुमार भगत

छातापुर मुख्यालय बाजार स्थित सार्वजनिक धर्मशाला में बुधवार को प्रखंड किसान संघर्ष समिति की बैठक हुई। राजद नेता अकिल अहमद खाँ की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रखंड कमिटि के गठन को लेकर विचार विमर्श किया गया। वहीं किसान एवं भूमि संबंधित विषयों को लेकर आंदोलन चरणबद्ध रूप से चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक में जिला किसान संघर्ष समिति के सदस्य भी शामिल हुए। सर्व सम्मति से लिये गए निर्णय के अनुसार सर्वे एवं गैरमजरूआ खास बकास्त रैयती जमीन बचाने, प्रखंड सह अंचल कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन करना सामिल हैं, वहीं कोष संग्रह सहित अनान्य विषयों पर चर्चा की गई, सदस्य श्रवण कुमार यादव ने जानकारी देते बताया कि आगामी चार नवंबर को प्रखंड संघर्ष समिति का गठन किया जायेगा। इसके साथ ही संघर्ष समिति के लिये आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। बैठक में जयनारायण यादव, रघुनंदन पासवान, प्रमोद कुसियैत, अस्फाक खां, जगन्नाथ मंडल, सदानंद मंडल, सुवोध कुमार कुसियैत, राजदेव सरदार, मुकेश कुमार, ओमप्रकाश कुसियैत, विद्यानंद साह, कुशेश्वर मरिक, गुलाब सिंह, सिकंदर सरदार, बबलु कुसियैत, शेषनाथ सिंह, भुवनेश्वर सिंह, लालबहादुर सिंह, मनोज सरदार, कामेश सरदार, शिवनंदन यादव, श्रवण कुमार यादव, विमल कुमार सिंह आदि मौजूद थे।

दावा आपत्ति का किया गया निस्तारण

सुपौल। सोनू कुमार भगत

प्रखंड सह अंचल कार्यालय स्थित बीडीओ वेश्म में गुरुवार को पैक्स निर्वाचन मतदाता सुचि को लेकर दावा आपत्ति का निस्तारण किया गया। बीडीओ सह निर्वाची पदाधिकारी डा राकेश गुप्ता के द्वारा सभी आवेदन कर्ताओं को बारी बारी से बुलाकर वाद सुनी गई। तत्पश्चात पैक्स अध्यक्षों को के समक्ष नियमानुसार वाद का निस्तारण किया गया। बीडीओ ने बताया कि 22 अक्टूबर तक निहित प्रपत्र में दावा आपत्ति ली गई थी, जिसमें कुल 40 आवेदन पत्र प्राप्त हुए, निवर्तमान पैक्स अध्यक्षों को सदस्यता पंजी, रसीद बुक, पैक्स रेकड एवं 2019 के मतदाता सुचि के साथ बुलाया गया था, बताया कि बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार पटना के निर्देशानुसार दावा आपत्ति निस्तारण उपरांत मतदाता सुचि का अंतिम प्रकाशन 25 अक्टूबर को कर दिया जायेगा, गौरतलब है कि प्रखंड के 18 पैक्स में प्रथम चरण में 26 नवंबर को मतदान होना है, दावा आपत्ति निस्तारण कार्य में प्रधान सहायक रामनारायण झा, हरेंद्र कर्ण, ओमप्रकाश कुमार, गजेंद्र कुमार सहयोग कर रहे थे।

यक्ष्मा पीड़ित रोगियों को मिलेगा ₹500 निक्षय पोषण के तहत

दैनिक बिहार पत्रिका/उमाकांत साह

चांदन/बांका:- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चांदन प्रभारी चिकित्सक डॉक्टर आशिष कुमार के नेतृत्व में मेडिकल ऑफिसर शशिकांत कुमार के अध्यक्षता में टीबी अलर्ट इंडिया द्वारा हॉस्पिटल परिसर में पेसेंट सपोर्ट ग्रुप की बैठक आयोजित की गई। बैठक में दर्जनों यक्ष्मा मरीज मौजूद थे। बैठक टीबी अलर्ट इंडिया को-ऑर्डिनेटर धीरज कुमार मिश्र ने बताया कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य है कि टीबी

मरीज अपनी बातों को सहज होकर रख सके। और उनकी परेशानानियों का समाधान हो सके। साथ ही उन्होंने मुख्य रूप से निम्न बातों पर मरीज को ध्यान आकर्षित किया । बताया कि यक्ष्मा से पीड़ित मरीज को दवाई समय पर खाना है, दवाई एक भी दिन नहीं छोड़ना है, दवाई पूरे 6 माह तक कंटिन्यू चलाना है। दवाई सेवन के दौरान शराब, गुटखा, अन्य चीजों का सेवन नहीं करना है। पोष्टिक भोजन करना है, इस बैठक में यक्ष्मा मरीज को निक्षय पोषण के तहत 500 रुपया मिलने वाली राशि के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दिए। इस पेसेंट सपोर्ट ग्रुप की बैठक में कुल 11 टीबी मरीज उपस्थित हुए। इस बैठक में टीबी अलर्ट इंडिया से धीरज कुमार मिश्रा, एसटीएस सिंधु रानी ने महत्वपूर्ण योगदान बना रहा।

जल नल योजना के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति से ग्रामीण परेशान

दैनिक बिहार पत्रिका/उमाकांत साह

चांदन/बांका:- बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा हर पंचायत में ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल के लिए हर घर नल-जल योजना लाया गया। ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी शुद्ध पानी पीकर बीमार न हो। लेकिन यह योजना लगभग कहीं मोटर खराब, तो कहीं स्टार्टर किट खराब तो कहीं पंप संचालक कि लापरवाही से जगह में विफल साबित दिखाई दे रहा है। पहला मामला चांदन प्रखंड के असोढ़ा पंचायत के वार्ड नंबर 6 कि से सामने आई जहां 65 वर्षीय पंप संचालक राजेंद्र यादव पंप संचालन में असमर्थ होने के कारण विगत चार महिनों से पानी सप्लाई बंद पड़ा है। पानी सप्लाई बंद होने से गांव के लोगों को पानी कि जरूरत इधर-उधर से पुरा करने को मजबूर हैं। ग्रामीण विनय यादव, कामेश्वर यादव,तीतु यादव लखन यादव, ठाकुर यादव,हिरदू

यादव, शालिग्राम यादव, रघुनाथ यादव ने बताया कि,पंप संचालक वृद्ध हो गया है। और उसके घर में कोई ऐसा परिवार नहीं है जो पंप संचालन कर सके। जिसके कारण गांव में पानी सप्लाई बंद है, वहीं दूसरी ओर चादन पंचायत के वार्ड नंबर ग्यारह कि है जहां दो जगहों पर सात निश्चय योजना के तहत जलमीनार लगाए गए हैं। जिससे ग्रामीणों में शुद्ध जल पीने की आस भी जगी, लेकिन एक जगह में कारोना काल में ही एक पंप चालक के मौत हो जाने के बाद मानो जल मीनार भी मर गए। वह जल मीनार उस समय से आज तक बंद पड़ा है। कई बार ग्रामीणों ने मुखिया प्रमुख से शिकायत भी की। मुखिया ने बताया पंचायत समिति की बैठक में इस बात को रखा था, लेकिन अभी तक जल मीनार चालू नहीं हुआ है। पानी की समस्याओं से ग्रामीणों को काफी परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। पीने के पानी के लिए लोगों को एक किलोमीटर दूर से पानी लाकर पीने को मजबूर है। ग्रामीण श्रीधर शर्मा, बरुण शर्मा, रामदेव शर्मा, दिनेश शर्मा, संतोष शर्मा, मंटू शर्मा एवं दर्जनों लोगों ने बताया कि इस साल इतनी भीषण गर्मी में यह जलमीनार चालू नहीं हो पाया जिससे हम लोगों की उम्मीद भी खत्म हो चुकी है। कई बार मुखिया प्रमुख से भी इसकी शिकायत किया गया लेकिन आज तक यह जलमीनार बंद पड़ा है। इस संबंध में मुखिया अनिल कुमार ने बताया कि हर घर नल-जल योजना की शिकायत पंचायत समिति की बैठक में कई बार किया गया है,लेकिन विभाग जानकर भी अनजान बना है। जबकि राज्य सरकार के निर्देश पर पीएचईडी विभाग द्वारा जल समस्या समाधान के लिए टोल फ्री नंबर 18001231121, एवं वाट्सएप मैसेज 8544429024 जारी किया है बावजूद सम्बंधित अधिकारी शिकायत पर चुप्पी साधे हुए हैं।

हॉकी का पर्व बिहार का गर्व" ट्रॉफी गौरव यात्रा पहुंचा बांका

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- बिहार में पहली बार 11 नवंबर से 20 नवंबर तक आयोजित होने वाले "विमेंस एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2024" के संदर्भ में ट्रॉफी गौरव यात्रा पहुंचा बांका। नगर परिषद ,बांका के टाऊन हॉल में किया गया भव्य स्वागत। जिला पदाधिकारी बांका अंशुल कुमार, पुलिस कप्तान डॉ सत्यप्रकाश , ओ.एस.डी सह टीओ अमरेश कुमार ,जिला खेल पदाधिकारी बबन कुमार,कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद नित्यानंद एवं उपसभापति विनीता प्रसाद सहित वरीय पदाधिकारी ने ट्रॉफी गौरव यात्रा का स्वागत और अगुवाई किया। एसपी डॉ सत्यप्रकाश ने कहा कि इस प्रतियोगिता की मेजबानी भारत कर रहा है और हमारे लिए यह गौरव की बात है कि प्रतियोगिता का आयोजन बिहार के राजगीर में होने जा रहा है। खेल से हमारा सर्वांगीण विकास होता है। एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप के आयोजन से खेल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। राज्य में खेल और खिलाड़ियों का विकास होगा। उन्होंने कहा कि देश के लिए बेटियां मेडल जीते ऐसी शुभकामनाएं उन्होंने दी। जिला पदाधिकारी बांका अंशुल कुमार ने मंदार की भूमि पर ट्रॉफी गौरव यात्रा का स्वागत करते हुए कहा कि यह ट्रॉफी गौरव यात्रा 14 अक्टूबर से 10 नवंबर तक निकाली जा रही है जो बिहार के सभी 38 जिलों से होकर गुजरेगी। खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, हॉकी इंडिया और एशियन हॉकी फेडरेशन के संयुक्त तत्वाधान में यह खेल प्रतियोगिता आयोजित किया जा रहा है। बांका वासियों की ओर से,यहां के दर्शकों और खिलाड़ियों की ओर से जिला प्रशासन बांका की ओर से ट्रॉफी गौरव यात्रा का सम्मान और स्वागत है । जिला खेल पदाधिकारी श्री बबन कुमार ने कहा कि 11 नवंबर से 20 नवंबर तक बिहार के राजगीर में आयोजित हो रही है यह प्रतियोगिता। इस चैंपियन ट्रॉफी में भारत, चीन, जापान,दक्षिण कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड की महिला टीम हिस्सा ले रही हैं । राजगीर में स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर के हॉकी ग्राउंड में प्रतियोगिता के सभी मैच खेले जाएंगे। भारत 2023 का विजेता है इसलिए ट्रॉफी भारत के पास ही है और हमारे लिए यह गर्व की बात है कि इस प्रतियोगिता की मेजबानी हमारा बिहार कर रहा है। वरीय कोषागार पदाधिकारी अमरेश कुमार ने कहा कि ट्रॉफी गौरव यात्रा का उद्देश्य राज्य में खेल संस्कृति का विकास और खेल के क्षेत्र में राज्य की महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना है। साथ ही -साथ राष्ट्रीय खेल हॉकी के गौरव के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए पहली बार बिहार में वूमेंस एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता को सफल बनाने में सब की भागीदारी सुनिश्चित हो सके, राज्य में खेल और खिलाड़ियों का सर्वांगीण विकास हो और महिलाओं का सशक्तिकरण हो इसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध और निरंतर प्रयासरत है। जिला खेल संयोजक प्रदीप कुमार ने मंच संचालन किया एवं बताया कि इस ट्रॉफी गौरव यात्रा में कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी शामिल हैं। दर्शकों के लिए हॉकी के सभी मैच के टिकट निशुल्क हैं। बांका के लोगों ने खिलाड़ियों और दर्शकों ने दिल खोलकर ट्रॉफी गौरव यात्रा का स्वागत किया। नगर परिषद बांका के टाऊन हॉल में अनेकों खिलाड़ियों एवं दर्शकों की भीड़ में हॉकी का पर्व बिहार का गर्व गूंज उठा। इस ट्रॉफी गौरव यात्रा के शानदार आयोजन में जिला के शारीरिक शिक्षक चंदन कुमार ,योजना सहायक विकाश कुमार,शारीरिक शिक्षक पंकज कुमार , चंदन चौधरी,मोनू रंजन,सुमित कुमार,गौरव कुमार,सुभाष सिकदर सहित आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बेटी बचाओ बेटी पढाओ के तहत दलित बस्ती में सामुदायिक बैठक का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- महिला एवं बाल विकास निगम एवं जिला प्रशासन बाँका के संयुक्त तत्वावधान में "बेटी बचाओ, बेटी पढाओ" योजना के तहत दलित बस्ती कल्याणपुर, बाँका में सामुदायिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता राजीव रंजन, जिला परियोजना प्रबंधक, महिला एवं बाल विकास निगम,बाँका द्वारा किया गया। बैठक में उपस्थित समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा की "बेटी बचाओ, बेटी पढाओ" योजना के तहत बेटियों के शिक्षा,सुरक्षा,स्वास्थ्य, पोषण, सम्मान, समानता एवं संरक्षण हेतु सरकार कृत संकल्पित है। आप सभी बेटा-बेटी में कोई भेदभाव नहीं करें तथा समान अवसर दें साथ ही उनके लालन-पालन में कोई अंतर नहीं करें। बेटियां आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं सिर्फ उन्हें अवसर देने की जरूरत है। लड़कियों के घटते संख्या अर्थात बाल लिंगानुपात को सही करना आवश्यक है। कन्या भ्रूण हत्या एक जघन्य अपराध है । उन्होंने महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए सरकार द्वारा चलायी जा रही योजना यथा मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर इत्यादि के बारे बताये साथ ही महिला हेल्पलाइन टॉल फ्री नंबर 181 एवं आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112 के बारे में उपस्थित लोगों को जानकारी दिए। बैठक के दौरान जिला परियोजना प्रबंधक द्वारा उपस्थित समुदाय के लोगों,महिलाओं,बालिकाओं एवं सहभागियों को बेटियों के शिक्षा,सुरक्षा,स्वास्थ्य, पोषण, सम्मान, समानता एवं संरक्षण हेतु संकल्प दिलाया गया। बैठक में उड़ान परियोजना के पंकज कुमार, सुधांशू कुमार विकासमित्र लक्ष्मी देवी ,, किशोरीजूली,खुशी,ब्यूटी,आरती,राखी , मनीषा ,सुमन ,निशा,साक्षी, भारती,ज्योति,राधा एव रीति तथा अन्य ग्रामीण और सहभागियों की उपस्थिति रही।

सघन छापेमारी के दौरान बाल श्रम से एक बच्चा विमुक्त, प्रशासन की सख्त कार्रवाई जारी

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका:- जिले में बाल श्रम उन्मूलन के उद्देश्य से जिला प्रशासन बांका द्वारा प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को जिला पदाधिकारी बांका अंशुल कुमार के निर्देशानुसार श्रम अधीक्षक बांका द्वारा एक विशेष धावादल का गठन किया गया। इस धावादल में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी बांका राम दास, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी धौरैया विभास कुमार, उड़ान परियोजना के प्रखंड समन्वयक सुधांशु शेखर एवं चाइल्ड हेल्पलाइन पर्यवेक्षक मो. बुरहान कौशर को शामिल किया गया। धावादल द्वारा बांका सदर बाजार में व्यापक छापेमारी अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सघन जांच की गई, जिसमें एक बच्चे को बाल श्रम में संलिप्त पाया गया। बच्चे को तत्परता से बाल श्रम से मुक्त कर बाल कल्याण समिति सी डब्लू सी बांका के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति ने बच्चे की देखभाल और पुनर्वास के लिए आवश्यक प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। इस अभियान से स्पष्ट होता है कि बाल श्रम कानूनों के प्रति बांका प्रशासन गंभीर और सतर्क है। श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी बांका ने बताया कि जिले में बाल श्रम के उन्मूलन के लिए निगरानी बढ़ाई जा रही है, और इसके तहत व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, होटलों, दुकानों और निर्माण स्थलों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इस कार्रवाई का उद्देश्य बच्चों के अधिकारों का संरक्षण करना और उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाना है। इस अवसर पर श्रम अधीक्षक बांका ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की कि वे बाल श्रम के मामलों की सूचना तुरंत प्रशासन को दें। उन्होंने कहा कि बाल श्रम के खिलाफ लड़ाई में समाज की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। बाल श्रम न केवल एक कानूनी अपराध है, बल्कि यह बच्चों के भविष्य के साथ अन्याय भी है। बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम के तहत 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी प्रकार के श्रम में संलिप्त करना एक अपराध है। इस अधिनियम

का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त दंड का प्रावधान है, जिसमें आर्थिक जुर्माने और जेल की सजा भी शामिल है। जिला प्रशासन बांका बाल श्रम उन्मूलन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस दिशा में और अधिक कठोर अभियान चलाए जाएंगे। बाल श्रम में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

ऑर्डिनेंस फैक्ट्री से पांच एके -47 राइफल चोरी

जलगांव ! महाराष्ट्र के जलगांव में स्थित ऑर्डिनेंस फैक्ट्री से ताला तोड़कर पांच एके -47 राइफल चोरी हो जाने का मामला सामने आया है।3 दिन पहले यह चोरी हुई थी। चोरी का पता 2 दिन बाद चला था। जलगांव के चरणगांव की फैक्ट्री में देश की सेना के लिए एके -47 राइफल के कारतूस बनाए जाते हैं।कारतूस की टेस्टिंग के लिए एक-47 की पांच राइफल यहां पर थी।का कारतूस सीमा पर भेजने के पहले इन्ही राइफल से कारतूस की टेस्टिंग की जाती थी।21 अक्टूबर सोमवार को फैक्ट्री के शस्त्रागार का ताला तोड़कर पांच राइफल चोरी चली गई हैं। बुधवार को फैक्ट्री प्रबंधन ने इसकी शिकायत चारणगांव थाने में दर्ज कराई गई है।5 एके राइफल की कीमत 8 लाख रुपए बताई गई है।पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरी गई एके -47 राइफल को बरामद करने के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं।

नोएडा : कछुए की तस्करी करने के आरोप में मां-बेटी गिरफ्तार, 14 कछुए बरामद

नई दिल्ली। नोएडा पुलिस ने कछुओं की तस्करी करने के आरोप में मां-बेटी को गिरफ्तार कर, उनके पास के 14 कछुए बरामद किए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि दोनों को अदालत में पेश किया जा रहा है। पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) राम बदन सिंह ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर फेज-एक पुलिस थाने की टीम ने सेक्टर-10 से कमलेश और उसकी बेटी ज्योति को गिरफ्तार किया है जिनके पास के 14 कछुए बरामद किए गए।उन्होंने कहा, ''पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे मथुरा जिले में यमुना नदी से कछुए पकड़कर उन्हें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बेचने के लिए लाती थीं और पहले भी एनसीआर में कई जगह कछुआ बेच चुकी हैं।'' बताया जाता है कि दीपावली के अवसर पर कछुआ को शुभ मानते हुए लोग उनकी पूजा करते हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये लोग इसी का फायदा उठाकर कछुओं की तस्करी कर उन्हें बेचने के लिए लाए थे।

मां के पास सो रही बच्ची, हुई गायब... तलाशने पर खून से लथपथ तालाब के पास मिली

इटावा । उत्तर प्रदेश के इटावा क्षेत्र के एक गांव में चार साल की एक बच्ची के साथ कथित तौर पर बलात्कार का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने कहा कि लड़की अपनी मां के साथ सो रही थी।मां सुबह करीब 3 बजे उठी तब देखा कि बच्ची गायब है।पुलिस ने कहा कि इसके बाद लड़की के परिवार ने तलाश शुरू की और गांव के बाहर एक तालाब के पास खून से लथपथ और रोते हुए पाया। इसके बाद लड़की को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत खतरे से बाहर है। पुलिस ने लड़की के परिवार के सदस्यों की शिकायत के आधार पर एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए दो टीमें गठित की गई हैं। बीते दिनों उत्तर प्रदेश के बदायूं में बाजार गई सात साल की बच्ची अचानक गायब हो गई। परिजन तलाश करते रहे और फिर अर्ध नग्न अवस्था मे उसकी लाश खंडहर नुमा मकान मे मिली।

राजस्थान और उत्तर प्रदेश के विधानसभा उप-चुनावों के लिए आठ उम्मीदवारों का ऐलान

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी राजस्थान और उत्तर प्रदेश के विधानसभा उप-चुनावों के लिए अपने आठ उम्मीदवारों की सूची का ऐलान किया है। पार्टी महासचिव अरुण सिंह ने विज्ञप्ति जारी की है, जिसमें बताया गया है कि भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन उम्मीदवारों के नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है। जिसमें राजस्थान की चौरासी (अजा) सीट से कारीलाल ननोमा को भाजपा का प्रत्याशी बनाया गया है। यह सीट राज्य में महत्वपूर्ण मानी जा रही है, और पार्टी ने ननोमा पर विश्वास जताया है।

वहीं उत्तर प्रदेश में भाजपा ने निम्नलिखित उम्मीदवारों की घोषणा की है: कुंदरकी से रामवीर सिंह ठाकुर, गाजियाबाद से संजीव शर्मा, खैर (अजा) से सुरेंद्र दिलेर, करहल से अनुजेश यादव, फूलपुर सीट से दीपक पटेल, कटेहरी सीट से धर्मराज निषाद, मझवां सीट से सुचिस्मिता मौर्या को उतारा गया है। इन सभी सीटों पर चुनावी अभियान के दौरान भाजपा अपने उम्मीदवारों के माध्यम से जनता के बीच अपनी नीतियों और उपलब्धियों को लेकर जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करेगी। भाजपा का यह कदम आगामी विधानसभा उप-चुनावों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि पार्टी इन चुनावों को अपनी राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने के एक अवसर के रूप में देख रही है।

पैसों की लालच में भाभी ने मंगेतर से करवाया नाबालिग ननद का रेप

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी में नाबालिग लड़की से हैवानियत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि पैसों के लालच में उसकी भाभी ने उसे कमरे में बंद कर प्रेम पाल नाम के एक शख्स को सौंप दिया। 10 मिनट तक प्रेमपाल से वह अपनी अस्मत बचाने के लिए जूझती रही, लेकिन वह अपनी आबरू नही बचा सकी। दरिंदे ने बलपूर्वक न सिर्फ उसका रेप किया बल्कि उसके साथ क्रूरता की भी सारी हदें पार की। हैरानी की बात तो यह है कि भाभी खुद ही अपनी ननद की अस्मत लूटने के लिए कहती रही और अपने मोबाइल से इस पूरे वारदात का वीडियो शूट करती रही। दरिंदे की चंगुल से छूटने के बाद नाबालिग लड़की बदहवास थी। उसे कुछ भी समझ में नहीं आ रहा था। जब लड़की होश में आई तो पहले उसने अपने प्रेमी को पूरी बात बताई। इसी दौरान नाबालिग का अश्लील वीडियो सामने आया तो पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। कौशांबी के पुलिस अधिकारी ने तत्काल पुलिस टीम बनाकर पीड़िता के घर के लिए रवाना किया। जब पुलिस पीड़िता के घर पहुंची तो वह वहां नहीं मिली।

आंध्र प्रदेश के कुरनूल में 300 एकड़ में बनेगी भारत की पहली ड्रोन सिटी

- हाइड्रोजन से उड़ने वाला भारत का सबसे बड़ा ड्रोन आंध्रा में बना

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती में ड्रोन समिट में 5000 ड्रोन का एक साथ प्रदर्शन किया गया। इसमें पांच गिनीज वर्ल्ड ऑफ रिकॉर्ड तैयार किए गए। ड्रोन से हवाई ग्रह, स्थल चिह्न, विमान और आसमान, भारतीय ध्वज तिरंगा, महात्मा बुद्ध की 3डी छवि बनाकर बेहतर प्रदर्शन किया गया। विश्व रिकॉर्ड बनाने का ऐतिहासिक अवसर आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती को मिला। ड्रोन का यह दुनिया का सबसे बड़ा दूसरा शो था। इसके पहले 8000 ड्रोन का प्रदर्शन चीन के शेनजेन में हो चुका है।

चंद्रबाबू नायडू ने ली विशेष रुचि

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल में 300 जमीन पर भारत की पहली ड्रोन सिटी बनाने की घोषणा की है। भारत में हाइड्रोजन से उड़ने वाले ड्रोन यहां पर तैयार किये जा रहे हैं। तेलंगाना की कंपनी ब्लू जे एरो ने हाइड्रोजन से चलने वाले ड्रोन को तैयार किया है। ब्लू चे रीच नामक यह ड्रोन 100 किलोमीटर वजन के साथ 300 किलोमीटर की उड़ान भर सकता है। 300 किलोमीटर की उड़ान 30 मिनट में पूरी कर लेता है। जनवरी 2025 में इसे बिक्री के लिए बाजार में उपलब्ध करा दिया जाएगा। यह कंपनी 10 सीटर हाइड्रोजन इलेक्ट्रिक यात्री विमान लाने जा रही है। जो एक बार में 1000 किलोमीटर तक की उड़ान भर सकेगा। इस ड्रोन का प्रदर्शन भी आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती के ड्रोन समिट में किया गया।

अमरावती में 300 कंपनियों ने अपने ड्रोनस का प्रदर्शन किया। भारत में बड़े पैमाने पर ड्रोन का उपयोग कर बिजली के ट्रांसफार्मर, बिजली के खंबे, पावर स्टेशन और हाई टेंशन लाइन के फाल्ट को पता करने और उनके सुधारने के लिए उपयोग में लाये जाएंगे।

मल्टी लेवल ड्रोन का इस्तेमाल चार कैमरों की सहायता से 15 मीटर की ऊंचाई से तालाब, नदी, झीलों के पानी की तस्वीर, पानी की गुणवत्ता और जल संग्रहण के बारे में पता लगाने के लिए उपयोग में लाये जाएंगे।

ड्रोन का उपयोग चिकित्सा क्षेत्र में बड़ा उपयोगी साबित हो रहा है। मानव अंगों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाने, लेबोरेटरी की रिपोर्ट एवं दवाइयां को पहुंचाने के काम में बड़े पैमाने पर उपयोग में लाये जायेंगे।

ड्रोन के मामले में भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूसरा देश बन गया है। चीन के बाद भारत का नंबर आता है। हाइड्रोजन के जरिए सस्ते फ्यूल पर यात्री सेवा के लिए भी ड्रोन का इस्तेमाल टैक्सी के रूप में भविष्य में होने जा रहा है। इसके लिए तेलंगाना की कंपनी आंध्र के,पहली ड्रोन सिटी में बड़ी मात्रा में ड्रोन तैयार कर उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू इस प्रोजेक्ट में विशेष रुचि ले रहे हैं। जल्द ही ड्रोन सिटी के रूप में कुरनूल एक नए स्वरूप में देश और दुनिया के सामने पहचाना जाएगा।

भाजपा को हराने महाराष्ट्र और झारखंड में प्रचार करने जाएगी केजरीवाल की टीम

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को दोतरफा झटका देने की तैयारी की है। केजरीवाल का मानना है कि अगर भाजपा महाराष्ट्र और झारखंड में हारती है, तब हरियाणा जीत से उत्साहित पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल भी गिर सकता है। संजय सिंह ने कहा कि केजरीवाल अपनी पार्टी की ताकत का इस्तेमाल करके दोनों राज्यों में इंडिया गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जहां भी गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने का मौका मिलेगा, केजरीवाल वहां उपस्थित रहने वाले है। राज्यसभा सांसद सिंह ने कहा, केजरीवाल ने पहले ही साफ कर दिया हैं जहां से प्रचार के लिए बुलाया जाएगा, वहां प्रचार के लिए अवश्य जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, केजरीवाल और आप के नेता महाराष्ट्र और झारखंड में इंडिया गठबंधन के लिए प्रचार करने वाले है। महाराष्ट्र में वे शिवसेना (उद्धव गुट), एनसीपी और कांग्रेस के प्रत्याशियों के लिए, जबकि झारखंड में जेएमएम, कांग्रेस और राजेडी गठबंधन के लिए प्रचार करने वाले है। हालांकि, आप इन दोनों राज्यों में चुनाव नहीं लड़ रही है, लेकिन उनकी योजना भाजपा को हराने की है।

जनगणना की तैयारियां शुरू पहली बार होगी डिजिटल जनगणना

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1 जनवरी 2025 से जनगणना का कामसारे देश में शुरू हो जाएगा। सभी राज्यों की सीमा 31 दिसंबर 2024 को सील कर दी जाएगी। ताकि जनगणना के आंकड़ों में कोई परिवर्तन ना हो।

घर घर जाकर पहली बार डिजिटल जनगणना होगी। इसके लिए 34 सवालों का एक फॉर्म तैयार किया गया है। जिसमें जनगणना करने वाले प्रगणक घर के मुखिया से जानकारी प्राप्त करेंगे। जनगणना करने वाले प्रत्येक प्रगणक को ?25000 का भुगतान किया जाएगा। जनवरी 2025 से जनगणना का काम शुरू हो जाएगा।

इस बार की जनगणना में 34 प्रकार के सवाल पूछे जाएंगे। जिसमें प्रमुख रूप से घर में मुख्य अनाज, खाना पकाने का ईंधन,पीने के पानी का स्रोत, शौचालय की सुविधा, वाहन की उपलब्धता, घर में बिजली की उपलब्धता, गंदे पानी का निकास, नहाने की सुविधा उपलब्ध है, या नहीं।मोबाइल फोन और इंटरनेट की जानकारी, जाति व्यवस्था के लिए(एससी एसटी एवं अन्य) घर के सदस्यों की संख्या, उम्र,घर पक्का है या कच्चा, यह जनगणना फार्म में शामिल किए गए हैं। परिवार के प्रत्येक व्यक्ति को एक आईडी नंबर भी डिजिटल जनगणना में दिया जाएगा।

इस बार की जनगणना में बैंक खातों से संबंधित जानकारी नहीं ली जाएगी। जाति जनगणना को लेकर जो विवाद चल रहा है। उसे सरकार ने जनगणना फार्म में शामिल नहीं किया है। जनगणना में केवल एससी एसटी पिछड़ा वर्ग एवं अन्य को शामिल किया गया है।

जनगणना के लिए प्रत्येक प्रगणक के पास 150 परिवारों की जानकारी जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रत्येक परिवार के सदस्यों की संख्या, जाति,लिंग,और अन्य आवश्यक जानकारी डिजिटल फॉर्म प्रगणक द्वारा दर्ज की जाएगी।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड: मुख्य शूटर तक नहीं पहुंच रहे पुलिस के हाथ, अब तक 14 गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में मुख्य शूटर पुलिस की पकड़ से काफी दूर है। जबकि इस मामले में अभी तक 14 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने हाल ही में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें हरियाणा का एक निवासी भी शामिल है, जिस पर शूटर और साजिश के मास्टरमाइंड के बीच अहम कड़ी होने का संदेह है। मंगलवार शाम 29 वर्षीय अमित कुमार को हरियाणा और बुधवार शाम पुणे से तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद मामले में गिरफ्तार आरोपियों की कुल संख्या 14 हो गई। पुलिस के अनुसार, हिरासत में लिए गए शूटरों में से एक गुरमेल सिंह और कथित मास्टरमाइंड मोहम्मद जीशान अख्तर के बीच कुमार एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों में दो संदिग्ध शूटर-धर्मराज कश्यप और गुरमेल सिंह शामिल हैं, जबकि मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम और दो साजिशकर्ता फरार हैं। अब तक की जांच से पता चलता है कि ठाणे स्थित पांच सदस्यीय कॉन्ट्रैक्ट किलिंग मॉड्यूल को शुरू में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री की हत्या का ठेका दिया गया था।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि 22 वर्षीय रुपेश राजेंद्र

मोहोल, 19 वर्षीय करण राहुल साल्वे और 20 वर्षीय शिवम अरविंद कोहाड़ सभी पुणे के निवासी हैं। अमित कुमार पर हत्या की साजिश रचने और उसे अंजाम देने में शामिल होने का संदेह है। अधिकारी ने बताया कि उसके और अन्य आरोपियों से जुड़े कुछ संदिग्ध वित्तीय लेन-देन भी जांच के दायरे में हैं। 66 वर्षीय बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर को मुंबई के बांद्रा इलाके में उनके विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जांचकर्ताओं ने अभी तक हत्या के पीछे के मकसद का पता नहीं लगाया है। वे अलग-अलग कोणों से अपराध की जांच कर रहे हैं, जिसमें कॉन्ट्रैक्ट किलिंग, व्यापारिक प्रतिद्वंद्विता या मुंबई में एक झुग्गी पुनर्वास परियोजना को लेकर धमकियां शामिल हैं।

कनाडा में रह रहे अनमोल के संपर्क में था शूटर

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में शामिल तीन संदिग्ध शूटर, एनसीपी नेता की हत्या को अंजाम देने से पहले स्नैपचैट के माध्यम से जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई के संपर्क में थे। हत्या करने वाले तीन संदिग्ध शूटरों ने सिद्दीकी की हत्या करने से पहले इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप (स्नैपचैट) के माध्यम से अनमोल बिश्नोई से बात की थी। गिरफ्तार आरोपियों के स्नैपचैट की जांच की गई तो पता चला कि शूटर और पुणे के प्रवीण लोनकर, जो कथित तौर पर मास्टरमाइंड है, अनमोल बिश्नोई के सीधे संपर्क में थे और मैसेज मिलने के बाद उसे डिलीट कर देते थे। पुलिस ने बताया कि अनमोल कनाडा और अमेरिका से आरोपियों के संपर्क में था और आरोपियों के पास से चार मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। जबकि मुंबई पुलिस ने पुलिस सुरक्षा गार्ड श्याम सोनवाने को निलंबित कर दिया है जो घटना के समय महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री के साथ मौजूद था।

दरवाजे से झांक रहे खड़गे का वीडियो भाजपा ने किया शेयर, कांग्रेस ने सुना दी खरी खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने लिखा, जब फर्स्ट फैमिली प्रियंका वाड्रा जी वायनाड से कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल कर रही थीं, तब आप कहां थे खरगे साहब? बाहर खड़े कर दिए गए थे, क्योंकि वह परिवार नहीं हैं। सोनिया परिवार के अहंकार और अधिकार की वेदी पर आत्मसम्मान और गरिमा की बलि चढ़ गई। जरा सोचिए कि अगर ये वरिष्ठ दलित नेता और पार्टी अध्यक्ष के साथ ऐसा करते हैं, तो ये वायनाड के लोगों के साथ कैसा बर्ताव करेंगे।

इस पर कांग्रेस ने भाजपा पर दलित नेता के अपमान के आरोप लगाए हैं। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने एक वीडियो मैसेज में कहा, असलियत यह है कि नामांकन के वक्त डीएम के कमरे में प्रत्याशी को मिलाकर सिर्फ पांच लोग बैठ सकते थे। जब खरगे जी, सोनिया जी और राहुल जी वहां पहुंचे, तो पहले ही कुछ

लोग बैठे थे। जैसे ही वो कमरे से निकले, उसी वक्त खरगे जी, सोनिया जी और राहुल जी अंदर आए और खरगे जी प्रथम पंक्ति में बैठे। सोनिया जी सीपीपी की अध्यक्ष होने के बाद भी पीछे बैठीं। उन्होंने आगे कहा, हमारा अपने अध्यक्ष के लिए भरपूर सम्मान है, लेकिन भाजपा बार-बार जो खरगे जी का अपमान करती है। वो शायद इसलिए करती है, क्योंकि वह दलित समुदाय से आते हैं। वह उस समुदाय से आते हैं, जिनसे भाजपा नफरत करती है। जिनका सालों तक इनके जैसे लोगों ने शोषण किया है। हम हमारे अध्यक्ष का सम्मान करते हैं।

बता दें कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा, वायनाड में कथित त्रिमूर्ति की तरफ से आज श्री मल्लिकार्जुन खरगे जी जैसे वरिष्ठ सांसद और दलित नेता के प्रति ऐसा बर्ताव बेहद निराशाजनक है। एआईसीसी का अध्यक्ष हो या पीसीसी का, क्या यह परिवार उन लोगों को अपमानित करने में गर्व महसूस करता है, जिन्हें वह महज एक रबर स्टाम्प मानता है। भाजपा ने एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें खरगे कमरे के बाहर गेट से झांकते हुए नजर आ रहे हैं। बीजेपी का दावा है कि वीडियो कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के नामांकन के समय का है। भाजपा का आरोप है कि परिवार का नहीं होने के कारण खरगे के साथ ऐसा बर्ताव हुआ।

मां राज्यसभा में, बहन लोकसभा में जगह तलाश रही

-वायनाड उपचुनाव पर बोले मुख्तार अब्बास नकवी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने वायनाड उपचुनाव को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मां राज्यसभा में हैं, बहन लोकसभा में जगह तलाश रही हैं और भाई की बात करें तो वह बेतुकी सभा में हैं। यह एक सामंती परिवार का नजारा है, जहां सामंती फोटो फ्रेम में परिवार की गतिशीलता स्पष्ट है एक मालिक और कई नौकर। ऐसे दृश्य देखने को मिलते रहेंगे। गौरतलब है कि वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव में कांग्रेस की प्रियंका गांधी वाड्रा ने नामांकन दाखिल किया है। उनके नामांकन में उनका परिवार शामिल हुआ था। इस मौके पर राहुल गांधी ने भी जनता को संबोधित किया। राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में वायनाड और उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से चुनाव लड़ा था और दोनों सीटों पर उन्होंने जीत हासिल की थी। हालांकि,

उन्होंने वायनाड सीट छोड़कर रायबरेली सीट अपने पास रखी है। इस बार प्रियंका गांधी को वायनाड सीट पर उम्मीदवार बनाया है। अब देखना होगा कि वायनाड की जनता किस दिशा में अपने मत का प्रयोग करती है।

आतंक और शांति एक साथ कैसे रहेंगे?

भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती के हालिया बयानों पर कहा कि आतंक और शांति एक साथ कैसे रह सकते हैं? जम्मू-कश्मीर के लोग लोकतंत्र के प्रति जुनून के साथ प्रगति की प्रक्रिया में भागीदार बन रहे हैं। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव ने इस बात को स्पष्ट कर दिया है। इसलिए, किसी को भी ऐसा भ्रम पैदा करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, जिससे अलगाववादियों और आतंकवादियों का हौसला बढ़े।

अभी नहीं ... 41 साल पहले भी हुआ था न्याय की देवी' की मूर्ति में अहम बदलाव

-सीजेआई से पहले इन्होंने किया था बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अदालतों में दिखने वाली 'न्याय की देवी' की मूर्ति में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड के आदेश पर हुए अहम बदलाव की चर्चा काफी हो रही है। मूर्ति के वस्त्रों में बदलाव हुआ है। पहले 'न्याय की देवी' की आंखों पर पट्टी बंधी रहती थी, लेकिन अब पट्टी को खोल दिया गया है। हाथ में तलवार की जगह संविधान रखा गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं, तलवार से लेकर संविधान तक हुए बदलाव का आगाज 41 साल पहले ही राजस्थान के जयपुर में हो चुका था।

जयपुर के डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस कोर्ट में न्याय देवी की प्रतिमा में अहम बदलाव कर दिया गया था। यह बदलाव कोर्ट के पूर्व जुडिशल मजिस्ट्रेट पदम कुमार जैन ने कराया था।

न्याय की देवी की मूर्ति के डिजाइन को 'न्याय के एक नए युग' की शुरुआत के रूप में भले ही देखा जा रहा है, लेकिन जयपुर ने 26 अप्रैल 1983 को अपने जिला और सत्र न्यायालय में इसी तरह का बदलाव लागू किया था। इस बदलाव के तहत मूर्ति के एक हाथ में तलवार की जगह संविधान रख दिया गया, लेकिन आंखों पर पट्टी बरकरार रखी गई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, कोर्ट के तत्कालीन न्यायिक मजिस्ट्रेट जैन की ओर से मूर्ति में यह बदलाव किया गया था। जैन मूर्ति स्थापना के लिए अधिकृत निर्णय लेने वाली संस्था का हिस्सा थे। तब तलवार की जगह संविधान की प्रति रखने के कदम ने एक बड़ी बहस भी छेड़ दी थी। कुछ लोगों का तर्क था कि ग्रीक पौराणिक कथाओं के हिसाब से न्याय की देवी के पास तलवार होनी चाहिए। इस पर तत्कालीन न्यायिक मजिस्ट्रेट जैन ने कहा है कि, 'इस पर मैंने तर्क दिया था कि न्याय की देवी न केवल लोगों को दंडित करती हैं, बल्कि उन्हें बरी भी करती हैं। वह बताते हैं कि एक और बहस इस बात पर थी कि देवी को कौन सी किताब पकड़नी चाहिए, क्योंकि भारत में कोर्ट सिविल और क्रिमिनल मामलों के लिए अलग-अलग संहिताओं का पालन करते हैं। इस जैन ने कहा, 'आखिरकार, यह फैसला लिया गया कि न्याय की देवी को भारतीय संविधान का प्रतिनिधित्व करने वाली पुस्तक पकड़नी चाहिए, क्योंकि न्यायालय इसी मौलिक दस्तावेज पर स्थापित होते हैं।

जैन को न्याय की देवी की पुनर्रचना की प्रेरणा पीएचडी पर काम करते वक्त मिली थी। उस वक्त उनकी नजर रोमन पौराणिक पात्र 'जस्टिटिया' पर पड़ी, जो एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में तलवार पकड़े हुए थीं और उनकी आंखों पर पट्टी बंधी हुई थी। उनका मानना था कि न्याय की देवी के लिए तलवार पकड़ना गैर वाजिब है, क्योंकि जज और मजिस्ट्रेट न केवल लोगों को दंडित करते हैं, बल्कि उन्हें बरी भी करते हैं।

जब जयपुर में नई न्याय की देवी की मूर्ति लगाई गई थी, तब उनकी आंखों पर पट्टी बांधने और तराजू थामे रहने को लेकर सवाल उठाए गए थे। जैन ने कहा, ÷इस पर मैंने कहा कि आंखों पर पट्टी निष्पक्षता का प्रतिनिधित्व करती है, यह सुनिश्चित करती है कि किसी व्यक्ति की संपत्ति, शक्ति या सामाजिक स्थिति की परवाह किए बिना किसी पक्षपात या पूर्वाग्रह के

न्याय दिया जाए। तराजू सबूतों को तौलने का प्रतीक है, यह सुनिश्चित करता है कि निर्णय लेने से पहले दोनों पक्षों पर विचार करे।

जैन ने कहा कि शीर्ष अदालत का इस मामले में एक कदम आगे बढ़कर देवी की आंखों से पट्टी हटाने का फैसला सही फैसला है। अब भ्रम दूर हो गया है और लोगों को समझ में आ गया है कि न्याय की देवी अंधी नहीं हैं।

श्रद्धा कपूर ने एक्टिंग पर की खुलकर बात, बताया कैसे बनीं प्रशंसकों की पसंद

फिल्म जगत की खूबसूरत और टैलेंटेड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर अपनी हालिया रिलीज फिल्मा स्त्री 2 की जबरदस्त सफलता का आनंद ले रही हैं। इस बीच अभिनेत्री ने आईएएनएस से प्रोफेशनल और पर्सनल मुद्दों पर खुलकर बात की।

अभिनेत्री ने बताया कि वह बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा स्टार्स में से एक क्यों हैं? हाल ही में लैक्मे फैशन वीक में कल्कि लेबल के लिए रनवे पर वॉक करने वाली अभिनेत्री ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा 'मेरा मानना है कि इंडस्ट्री में मेरी तरक्की के पीछे कई कारण हैं।

श्रद्धा ने कहा कि अलग-अलग तरह की भूमिकाएं चुनने से मुझे अपनी प्रतिभा दिखाने और दर्शकों से जुड़ने का मौका मिला है। अभिनेता शक्ति कपूर की बेटी ने कहा कि अपने प्रदर्शन से प्रशंसकों के साथ वास्तविक संबंध बनाने में मदद मिली है। इसके अलावा उन्होंने आत्म-सुधार के प्रति अपने लगन को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि मुझे इन बातों ने एक कलाकार के रूप में काफी कुछ सिखाया है।

इस बीच 'स्त्री 2' की सफलता पर बात करें तो फिल्म ने 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। 600 करोड़ बेंचमार्क, मैडॉक सुपरनैचुरल यूनिवर्स की पांचवीं किस्त है और 2018 की ब्लॉकबस्टर 'स्त्री' की अगली कड़ी है। फिल्म में श्रद्धा कपूर के साथ राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी भी अहम रोल में हैं।

हाल ही में अभिनेत्री का एक वीडियो काफी वायरल हुआ, जिसमें अभिनेत्री शाहरुख खान का नाम लेते हुए मजेदार अंदाज में पैपराजी को भटकाती नजर आ रही हैं।

रवीना टंडन की बेटी राशा के साथ डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी से बाहर निकलते हुए श्रद्धा पैपराजी से कहती नजर आ रही हैं कि अरे वो देखो शाहरुख खान, शाहरुख खान। उन्होंने ऐसा पैपराजी का ध्यान भटकाने के लिए किया, जो उन्हें घेरे खड़े थे।

श्रद्धा कपूर की गिनती फिल्म जगत की हिट अभिनेत्रियों में की जाती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी उनके अच्छे खासे फॉलोअर्स हैं। अभिनेत्री ने साल 2010 में 'तीन पत्ती' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। उनकी पहली हिट 'आश्की-2' थी। इसके बाद उनके करियर में कई उतार-चढ़ाव आए। श्रद्धा कपूर की झोली में कई हिट फिल्में हैं। इस सूची में 'स्त्री', 'स्त्री-2', 'तू झूठी मैं मक्का' जैसी फिल्में हैं।

श्रद्धा कपूर अक्सर अपने प्रोफेशनल के साथ ही पर्सनल मुद्दों पर भी खुलकर बात करती नजर आती हैं। इसी कड़ी में हाल ही में श्रद्धा कपूर ने रिलेशनशिप पर भी बात की थी। उन्होंने बताया था कि वह रिलेशन में हैं और उन्हें अपने पार्टनर के साथ समय बिताना पसंद है। इस बीच श्रद्धा कपूर के आगामी प्रोजेक्ट पर नजर डालें तो वह 'धूम' की चौथी किस्त में रणबीर कपूर के साथ काम करती नजर आएंगी।

एक्ट्रेस साई पल्लवी के बड़े फैन हैं मणिरत्नम

मशहूर फिल्म निर्देशक मणिरत्नम ने हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान खुलासा किया कि वह साउथ की मशहूर एक्ट्रेस साई पल्लवी के बड़े फैन हैं और उनके साथ काम करने का सपना रखते हैं। मणिरत्नम ने यह बयान फिल्म अमरन के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान दिया, जिसमें शिवकार्तिकेयन भी मौजूद थे। उन्होंने साई पल्लवी की एक्टिंग और डांसिंग स्किल्स की सराहना करते हुए कहा, मैं साई का सच में बहुत बड़ा फैन हूं। मुझे उम्मीद है कि एक दिन मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिलेगा। मणिरत्नम का यह बयान सुनकर साई पल्लवी ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि जब भी वह किसी किरदार का चयन करती हैं, तो मणिरत्नम का नाम उनके मन में आता है। साई पल्लवी ने कहा, आप मेरी प्रेरणा रहे हैं, फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले भी मैंने मणिरत्नम का नाम सुना था। मणिरत्नम ने अपने लंबे करियर में कई सुपरहिट फिल्में दी हैं, जैसे पोन्नियिन सेल्वन, रोजा, बॉम्बे, दिल से, और गुरु। उनके काम की सराहना आज भी लोगों के बीच है। उन्होंने कहा कि वह हमेशा अपनी फिल्मों में किरदारों और स्क्रिप्ट पर गहनता से विचार करते हैं, जिससे उन्हें अपनी फिल्मों में एक अलग पहचान बनाने में मदद मिली है। इसी इवेंट में मणिरत्नम ने शिवकार्तिकेयन की भी तारीफ की और कहा, कुछ अभिनेता अपने पहले डेब्यू के बाद ही बड़े हीरो बन जाते हैं, लेकिन ऐसे अभिनेता जैसे आप, सीढ़ी-दर-सीढ़ी चढ़कर यह मुकाम हासिल करते हैं। शिवकार्तिकेयन ने भी इस दौरान यह खुलासा किया कि, प्रेमम फिल्म में मलार का किरदार निभाने वाली साई पल्लवी को देखने के बाद वह भी उनके फैन बन गए थे।

हिंदी और तमिल में बनेगी गजनी 2

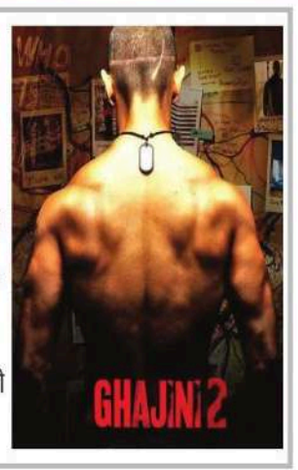

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान की सुपरहिट फिल्म गजनी की सीक्वल गजनी 2, हिंदी और तमिल भाषा में बनायी जा सकती है। वर्ष 2008 में प्रदर्शित आमिर खान की सुपरहिट फिल्म गजनी का सीक्वल बनने जा रहा है। निर्माता अल्लू अरविंद और मधु मंटेना ने इस फिल्म पर काम करना शुरू कर दिया है। फिल्म निर्माताओं ने तय किया है कि गजनी 2 को हिंदी और तमिल, दोनों भाषाओं में एक साथ बनाया जाएगा। साथ ही इसे एक ही दिन सिनेमाघरों में रिलीज़ भी किया जाएगा। हिंदी में गजनी 2, आमिर खान जबकि तमिल में यह फिल्म सूर्या के साथ बनायी जा सकती है। गजनी 2 को लेकर मेकर्स आमिर खान से मिले थे. उन्हें सीक्वल का आइडिया भी शेयर किया था। हाल ही में सूर्या ने भी कहा था कि गजनी 2 प्रोसेस में हैं और ये बन सकती है ।अभी स्क्रिप्ट पर काम हो रहा है।

खुद के बच्चे की कमी महसूस करते हैं अनुपम खेर ने

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने खुलासा किया कि वह कभी-कभी अपने खुद के बच्चे की कमी महसूस करते हैं। अनुपम अक्सर अपने फैंस के साथ अपनी निजी जिंदगी और विचार साझा करते रहते हैं। अभिनेता ने यह बयान एक पॉडकास्ट में दिया, जब उनसे पूछा गया कि क्या वह कभी यह महसूस करते हैं कि उनका अपना बच्चा होता तो अच्छा होता। अनुपम खेर ने कहा, पहले मुझे इस बात का एहसास नहीं होता था, लेकिन पिछले 7-8 सालों से कभी-कभी ऐसा लगता है। यह इस वजह से नहीं है कि मुझे सिकंदर से कोई शिकायत है, बल्कि बच्चों के साथ समय बिताना, उन्हें बड़ा होते देखना और उनके साथ जुड़ाव बनाना बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि यह कोई बड़ी ट्रेजेडी नहीं है, लेकिन कभी-कभी यह सोचता हूं कि अगर मेरा भी बच्चा होता तो क्या अच्छा होता। उनकी पत्नी किरण खेर, जो एक प्रसिद्ध अभिनेत्री हैं, पहले से ही एक बेटे की मां थीं, जिसका नाम सिकंदर है। अनुपम खेर ने अपनी शादी के बाद सिकंदर को अपना नाम दिया और उसे अपना बेटा मान लिया। सिकंदर, किरण के पहले पति से हैं, और अनुपम खेर ने हमेशा उसे अपने बच्चे की तरह पाला है। हालांकि, अनुपम ने स्वीकार किया कि सिकंदर के साथ उनकी बॉन्डिंग होते हुए भी कभी-कभी उन्हें अपने खुद के बच्चे की कमी महसूस होती है। अभिनेता ने इस बारे में और विस्तार से बात करते हुए कहा, मैं बहुत काम करता हूं। 50-55 साल गुजर गए हैं, और अब एहसास होता है कि बच्चों के साथ समय बिताना अच्छा लगता है। जब मेरी पत्नी किरण और सिकंदर दोनों ही व्यस्त हो गए थे, तब मुझे इसकी कमी महसूस होने लगी। अनुपम खेर ने कहा कि उन्हें अपनी ऑर्गेनाइजेशन में बच्चों के साथ काम करते वक्त भी यह अहसास होता है कि अगर उनका भी बच्चा होता तो वह अपने बच्चे के साथ अधिक जुड़ाव महसूस कर पाते।

फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स शो की हो रही चर्चा

फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स के तीसरा सीजन में बॉलीवुड की कई जानी-मानी पत्नियों के साथ-साथ तीन नए चेहरे भी शामिल हैं - रिद्धिमा कपूर साहनी, शालिनी पासी और कल्याणी साहा। इस सीजन में सबसे बड़ा खुलासा सीमा सजदेह ने किया है। सलमान खान के छोटे भाई सोहेल खान की पूर्व पत्नी सीमा सजदेह ने शो के पहले एपिसोड में अपनी लव लाइफ पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वह इन दिनों किसी शख्स को डेट कर रही हैं। इस चर्चा के दौरान सीमा ने अपनी तलाक के बाद की जिंदगी, संघर्ष और नए रिश्ते के बारे में भी साझा किया। सीमा सजदेह ने शो में दिल्ली की सोशलाइट कल्याणी के साथ अपने सिंगल लाइफ के अनुभव शेयर किए। कल्याणी ने भी साल 2006 में अपने पति से अलग होने के बाद के संघर्षों का जिक्र किया। सीमा ने भी अपनी तलाक की प्रक्रिया और उसके बाद के बदलावों पर विस्तार से बात की। इस दौरान महिप कपूर, भावना पांडे और नीलम कोठारी जैसी बॉलीवुड वाइव्स भी शो में नजर आईं। जब सीमा ने अपने डेटिंग पार्टनर विक्रम आहुजा का नाम लिया, तो इस पर शो में मौजूद अन्य बॉलीवुड पत्नियों ने मजाक भी किया। हालांकि, विक्रम का चेहरा शो में नहीं दिखाया गया। सीमा ने इस पर कहा कि जो लोग उन्हें जानते हैं, उन्हें उनकी प्रेम कहानी के बारे में पहले से ही जानकारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्रम वही शख्स हैं जिनके साथ सीमा की सगाई हुई थी, लेकिन बाद में उन्होंने सोहेल के साथ रिश्ते को प्राथमिकता दी थी। सीमा और सोहेल की शादी 1998 में हुई थी और साल 2022 में उनका तलाक हो गया। दोनों बेटों की मिलकर परवरिश कर रहे हैं। सीमा की उम्र 44 साल है, जबकि सोहेल 53 साल के हैं। बता दें कि नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहा शो फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स का तीसरा सीजन दर्शकों के बीच खूब चर्चा में है। इस बार शो का नाम बदलकर फैबुलस वाइव्स बनाम बॉलीवुड वाइव्स रखा गया है, जिसमें दिल्ली और मुंबई की हाई प्रोफाइल पत्नियों की जिंदगी, उनकी संस्कृति, ड्रेसिंग स्टाइल और जीवनशैली पर विस्तार से फोकस किया गया है।

अपारशक्ति खुराना ने अपने अद्भुत अभिनय से चौंकाया

बहुमुखी प्रतिभा के धनी गायक और एक्टर अपारशक्ति खुराना ने एक बार फिर अपने अद्भुत अभिनय से दर्शकों को चौंका दिया है। ओटीटी फिल्म सीटीआरएल में एआई बॉट एलन के रूप में अपारशक्ति खुराना ने अपनी आवाज देकर एक नया आयाम प्रस्तुत किया। उनकी अभिनय क्षमता के एक नए पहलू को उजागर किया। सीटीआरएल फिल्म प्रौद्योगिकी के अत्यधिक उपयोग पर आधारित है, जिसमें दिखाया गया है कि कैसे एआई एक प्रभावशाली व्यक्ति की गोपनीयता को प्रभावित कर सकता है और उसके जीवन को मेनिपुलेट कर सकता है। फिल्म में अनन्या पांडे मुख्य भूमिका में हैं, जिनका किरदार एआई बॉट एलन के साथ बातचीत करता है, जिसकी आवाज अपारशक्ति खुराना ने दी है। फिल्म के निर्देशक विक्रमादित्य मोटवाने ने सोशल मीडिया पर अपारशक्ति की भूमिका को लेकर पोस्ट करते हुए लिखा, द सीक्रेट बाहर आ गया है। इसके बाद अपारशक्ति ने तुरंत अपनी सोशल मीडिया स्टोरी पर इस पोस्ट को दोबारा साझा करते हुए लिखा, हाहाहा हाँ। इस फिल्म में उनकी भूमिका ने दर्शकों को चौंकाया और यह साबित कर दिया कि अपारशक्ति अपनी प्रतिभा के हर पहलू में निपुण हैं। उनकी आवाज में एआई बॉट का सहज चित्रण ने उन्हें एक नई पहचान दिलाई और दर्शकों के बीच उनकी सराहना में वृद्धि की। हाल ही में अपारशक्ति अपनी फिल्म स्त्री 2 की सफलता का आनंद ले रहे हैं, और उनकी ओटीटी फिल्म बर्लिन को भी आलोचकों द्वारा बहुत सराहा गया है। बर्लिन में उनकी भूमिका ने उन्हें एक और सफल मंच पर साबित किया, जिसमें उनके अभिनय को व्यापक रूप से तारीफ मिली। अब वह जल्द ही बदतमीज़ गिल नाम की पारिवारिक फिल्म में दिखाई देंगे, जिसमें परेश रावल और वाणी कपूर जैसे बड़े कलाकार भी शामिल हैं। यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा, अपारशक्ति फाइंडिंग राम नाम की डॉक्यूमेंट्री में भी नजर आएंगे, जो दर्शकों के लिए एक और नया अनुभव हो सकता है।

तीन प्रमुख अभिनेत्रियों का पुराना वीडियो आया सामने

बॉलीवुड की तीन प्रमुख अभिनेत्रियाँ दिव्या भारती, रवीना टंडन, और आयशा जुल्का का एक पुराना वीडियो सामने आया है, जिसमें वे 1980 के दशक के अंत और 90 के दशक की शुरुआत में स्किन शो की अवधारणा पर चर्चा करती नजर आ रही हैं।

दिव्या भारती ने अपनी पहली फिल्म विश्वात्मा के दौरान बताया था कि उस समय उन्हें अपने रोल को प्रभावी बनाने के लिए खुद को एक्सपोज़ करने की जरूरत नहीं पड़ी। उन्होंने कहा, मेरे लिए उस फिल्म में जो भूमिका थी, वह बहुत ही अच्छी थी और मुझे खुद को एक्सपोज़ नहीं करना पड़ा। भविष्य में इसके लिए कोई जरूरत नहीं पड़ेगी। दिव्या की यह बात उस समय के बॉलीवुड के दृष्टिकोण को दर्शाती है, जब अभिनेत्रियाँ फिल्म की कहानी और किरदार के आधार पर अपनी भूमिकाओं को चुनती थीं।

रवीना टंडन ने भी इस विषय पर खुलकर अपनी राय रखी और कहा, नहीं, शायद मैं समझौता नहीं करूंगी।

रवीना का यह जवाब इस बात को दर्शाता है कि वह अपनी भूमिकाओं को लेकर स्पष्ट थीं और कभी भी अपने किरदार के नाम पर खुद को एक्सपोज़ करने के पक्ष में नहीं थीं। आयशा जुल्का ने भी इस पर अपनी विचार साझा की और कहा, जहां तक एक्सपोज़ करने की बात है, तो मैं ऐसा नहीं करूंगी। मुझे नहीं लगता कि खुद को एक्सपोज़ करके किसी भूमिका को बेहतर बनाया जा सकता है। अगर भूमिका अच्छी है, तो वह अच्छी है।

आयशा ने यह भी कहा कि यदि भूमिका में कोई समझौता करना होता है, तो वह उस भूमिका को बेहतर तरीके से निभाने के लिए हो सकता है, न कि खुद को एक्सपोज़ करने के लिए।

इन तीनों अभिनेत्रियों का यह वीडियो उस समय के बॉलीवुड के नैतिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण को दिखाता है, जब स्किन शो और एक्सपोज़ को लेकर विभिन्न विचार थे। हालांकि, समय के साथ फिल्म उद्योग में बदलाव आया और ग्लोबल संस्कृतियों और कॉर्पोरेट संस्कृति के प्रभाव ने स्किन शो को एक सामान्य बात बना दिया। हाल के वर्षों में, बॉलीवुड में बोल्डनेस और नग्नता के बारे में सोच में बदलाव आया है।

अगर आप अधिक मात्रा में इत्र का इस्तेमाल कर रहे हैं तो सावधान हो जाइए। ज्यादा इत्र के लगाने से आप अवसाद के शिकार भी हो सकते हैं।

अधिक इत्र से अवसाद

इत्र के अधिक इस्तेमाल से आप जल्द बीमार पड़ सकते हैं। इत्र से न केवल तनाव और अवसाद (डिप्रेशन) की स्थिति उत्पन्न होती है, बल्कि सूंघने की शक्ति में भी कमी आती है।

करते थे इत्र से स्नान : इतिहास में इत्र की सबसे बड़ी दीवानी मेरी एन्टोयनेट अपने कभी ना नहाने के कड़वे सच को छुपाने के लिए इत्र लगाकर अपना सारा वातावरण सुगंधमय बना लेती थी। यूरोप में स्नान करना उस समय कोई आसान बात न थी। इसलिए इत्र ही सफाई और सुगंध के लिए एक सुविधाजनक था।

सूंघने की शक्ति में कमी : इत्र आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा बनते जा रहे हैं, लेकिन मध्यपूर्व के एक विश्वविद्यालय के एक ताजे शोध के अनुसार यह सत्य हाल ही में सामने आया कि एक विशेष रूप के अवसाद से सूंघने की शक्ति में कमी आती है, जिसके कारण लोग ज्यादा या तेज इत्र का प्रयोग करते हैं। जब किसी तेज इत्र की खुशबू आपके नथुनों से टकराए तो आप संदेह कर सकते हैं कि यह व्यक्ति तनाव या अवसाद का शिकार है। यूएई में स्थित स्विस एरेबियन परफ्यूम नामक कंपनी के चेयरमैन हुसैन अदमाली के अनुसार अलग प्रकार की सुगंध से विभिन्न लोगों की मानसिक स्थिति में परिवर्तन होता है। हालांकि यह बात निश्चित रूप से नहीं कही जा सकती कि इत्र का अवसाद से कोई संबंध है या नहीं, पर इत्र की सुगंध मन की भावनाओं पर असर तो जरूर डालती है।

सुगंध की शक्ति : यदि आप नाक बंद कर के कोई चीज खाएं तो निश्चित है कि आप उसका पूरा आनंद भी नहीं ले पाएंगे। सुगंध में वह शक्ति है कि वह किसी भी अनुभव को प्रभावित तो करती ही है और बेहतर भी बनाती है। पर इस सबकी वैज्ञानिक व्याख्या के लिए अभी बहुत अध्ययन की आवश्यकता है। अब उपभोक्ताओं को भी बंधी बंधाई परिपाटी से बाहर निकलकर इत्र का चुनाव करते समय जागरूक होने की आवश्यकता है, क्यों कि अलग-अलग व्यक्तियों के शरीर के पर सही इत्र का चुनाव वैयक्तित्व में आत्मविश्वास की वृद्धि करता, जो दूसरों की दृष्टि में उसे अधिक लोकप्रिय बनाता है। अनेक इत्र ऐसे आकर्षक होते हैं कि उनकी सुगंध लोगों को पलटकर देखते पर विवश कर देती है।

ज्यादा फुहारें नुकसानदायक : अच्छे से अच्छा इत्र भी दो तीन छोटी फुहारों से अधिक नहीं छिड़कना चाहिए। अगर इसके बाद भी आपको लगता है कि और इत्र होना चाहिए तो किसी विश्वासपात्र व्यक्ति से पूछा जा सकता है कि और इत्र की आवश्यकता है या नहीं।

विलसन डिजीज से होता है पढ़ाई में चिड़चिड़ापन

यदि आपके बच्चे का पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लग रहा है, उसमें चिड़चिड़ापन आने लगा है तो आप इसे हल्के से नहीं लें। हो सकता है कि उसे विलसन डिसीज हो गई हो। प्रदेश में लगभग आठ प्रतिशत बच्चे इस बीमारी से पीड़ित हैं।

न्यूरोलॉजिस्ट सैमुअल अलेक्जेंडर विलसन ने 1912 में इस रोग का पता लगाया था। तभी से इस बीमारी को नाम मिला। मस्तिष्क व लीवर के ऊत्तकों (टिश्यू) में मौजूद एटीपी-7 बी नामक जीन (जो कि एक प्रोटीन होता है) के विभाजन (म्यूटेशन) के कारण यह बीमारी होती है। यानी भोजन के साथ शरीर में पहुंचने वाला तांबा तत्व ठीक से नहीं घुल पाता और ऊतकों में जमा हो जाता है।

संतान में संभावना

इस जीन की एक असामान्य कॉपी 100 में से एक मनुष्य में मौजूद रहती है। इस बीमारी के लक्षण माता-पिता में तो नहीं दिखाई देते, पर वे वाहक (कैरियर) बन जाते हैं और बच्चों में 6 से 20 की उम्र में लक्षण उभर जाते हैं।

कॉपर बढ़ना है कारण

यह बीमारी शरीर में कॉपर की मात्रा बढ़ने से होती है, इसलिए बच्चे को चाकलेट व बादाम नहीं देना चाहिए। विलसन डिसीज होने पर यदि समय पर रोगी का उपचार नहीं किया गया तो इससे लीवर और आंखों को क्षति पहुंच सकती है। इसका इलाज अभी महानगरों में मौजूद है। बच्चे में कॉपर की मात्रा बढ़ने से उसमें पढ़ाई के प्रति उकताहट होने लगती है, किसी अन्य काम में भी उसका मन नहीं लगता, इसलिए बेहतर है कि उसे चाकलेट खाने को नहीं दिया जाए।

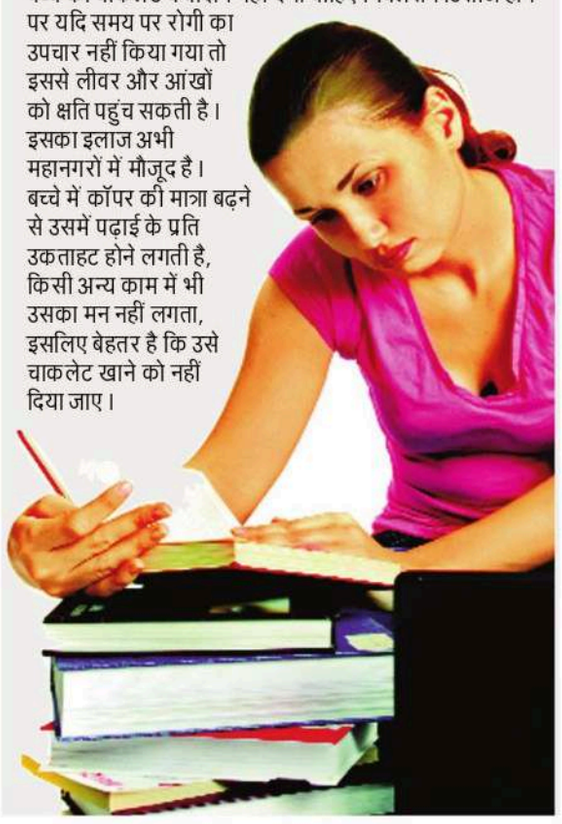

कंधों-बांहों में दर्द का कारण रोटेटर कफ इंजरी

चार पेशिया कंधे की हड्डी और पसलियों की मांसपेशियों को ऊपरी बांह की हड्डी के साथ जोड़ती हैं, क्योंकि ये पेशियां बांह को उसके कोटर के भीतर घूमने में मदद करती हैं, इन पेशियों के आस्तीन को रोटेटर कफ कहा जाता है।

रोटेटर कफ पेशियां

रोटेटर कफ में पेशियां आसानी से घायल हो सकती हैं, क्योंकि ये एक तंग जगह के भीतर घूमती हैं। जब कंधे को उसके घुमाव की प्राकृतिक सीमा की हद में मोड़ा या उठाया जाता है, इस तंग जगह में पेशियां भी घूमती हैं। कभी कभी रोटेटर कफ की पेशियां उसके ऊपर के हड्डीदार लौंदे (अंशकूट) या कंधे के सामने एक अस्थिबंध से टकरा या रगड़ खा सकती हैं। इस घर्षण को इंमपिंजमेंट सिंड्रोम के नाम से जाना जाता है और रोटेटर कफ में सूजन का कारण बनता है। रोटेटर कफ घर्षण की सूजन पैदा करने की सबसे ज्यादा संभावना होती है। यदि आपके कंधे का घुमाव कठिन या दोहरावदार है। सूजन तीन समस्याएं पैदा कर सकती है :

रोटेटर कफ टैंडोनाइटिस

अकेली पेशी की सूजन विशिष्ट घुमाव में दर्द उत्पन्न करती है, जब मांसपेशी जो उस पेशी को खींचती है, उपयोग हो रही है या जब आप ऊपर की ओर पहुंच रहे हैं।

शोल्डर बर्साइटिस

उप-अंशकूटीय बरसाइटिस भी कहते हैं। बरसाइटिस तब होता है जब सूजन तरल पदार्थ, जो रोटेटर कफ की पेशियों को चिकना करता है और खंड तक फैल जाती है। दर्द अक्सर रात में और बुरा होता है, जब आप लगभग किसी भी दिशा में अपना कंधे ले जाते हैं, खासकर यदि आप ऊपर की ओर ले जाते हैं।

रोटेटर कफ टियर

- सूजन के कारण कमजोर हो जाने के बाद पेशी टूट सकती है।
- कंधे के इस्तेमाल के कई प्रकार सामान्यत: रोटेटर कफ की वजह से होते हैं :

अपने हाथों से धक्का देना

घुटने के गठिया, टांगों में अन्य दर्दनाक स्थितियां, या जांघों में कमजोर चतु :शिरस्क पेशियों द्वारा पीड़ित लोग अपने हाथों से धक्का देकर क्षतिपूर्ति करते हैं, जब वे कुर्सी से उठते हैं। कंधे इस प्रयोग के लिए नहीं बनाए गए हैं। धक्का देने के दौरान, कंधे की कोटर और प्रगंडिका एक उल्टी मोरटार और मूसल जैसे काम करती हैं, रोटेटर कफ पेशियों को कुचलते और पीसते हुए। फैलाए हुए हाथ के बल गिरते हैं, सीधे वाहन दुर्घटनाओं और खेलों में टक्कर भी पेशियों को कुचल सकती हैं।

पुनरावृत्तीय फैलाव

ऊपरी हाथों की स्थिति तंग जगह जिनसे रोटेटर कफ पेशियों को निकलना होगा, को छोटा कर देती हैं। पुश अप, तैराकी, घर की सफेदी, घिसना, भवन निर्माण करना, ऑटो मैकेनिक का काम और अन्य गतिविधियां रोटेटर कफ की चोट का कारण हो सकती हैं।

सशक्त या आकस्मिक ऊपरी बांह का घुमाव

टियर्स विशेष रूप से फेंकने वाली खेलों, रैकेट खेल और कुश्ती के खिलाड़ियों में आम हैं। अचानक संचलन, जैसे एक लॉन की घास काटने की मशीन शुरू करने के लिए खींचना, एक कमजोर पेशी को तोड़ सकता है। इसके अलावा आपका कंधा और आसानी से घायल हो सकता है अगर यह अस्वस्थ है। संकीर्ण जगह जो रोटेटर कफ पेशियों को घेरती है और भी संकीर्ण हो जाता है। अगर आपके कंधे की मांसपेशियां कमजोर या तंग हैं जब ऐसा होता है। दैनिक कंधे के संचलन की अधिक पेशी घर्षण पैदा करने की संभावना है।

रोटेटर कफ इंजरी की चिकित्सा

कंधे में टैंडोनाइटिस, बरसाइटिस और छोटे रोटेटर कफ टियर्स का प्रभावी रूप से कोर्टिकोस्टेरॉयड दवा की सुई के साथ इलाज किया जा सकता है। इसके बाद कंधे की गति को पुन :संचलन में लाने और रोटेटर कफ की मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए भौतिक चिकित्सा के व्यायाम किए जाते हैं। नॉन स्टैरोइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स (एनएसए आईडी) जैसे आइबुप्रोफेन (एडविल, मोट्रिन और अन्य) दर्द और सूजन को कम करने में उपयोगी होती हैं। अगर आपका चिकित्सक पता लगाता है कि आपको कैल्सिफिक टैंडोनाइटिस है, तब डॉक्टर इस बीमारी का इलाज शुरू करता है। प्राय: दोहराती रोटेटर कफ की चोटों या रोटेटर कफ पेशी में बड़े चीरों के लिए सर्जरी आवश्यक हो सकती है।

रोटेटर कफ इंजरी का निदान

रोटेटर कफ की चोट का आमतौर पर शारीरिक परीक्षण द्वारा निदान किया जाता है। आपका चिकित्सक आपकी बांह कंधे से घुमाएगा और फिर आपकी बांह ऊपर उठाएगा। अगर ऐसी गति से दर्द होता है, रेटेटर कफ सूजा हो सकता है। अगर आपकी कमजोरी ध्यान देने योग्य है, तो आपको रोटेटर कफ टियर की जांच के लिए और परीक्षण कराने की जरूरत है। आपकी मांसपेशियां जो दर्द के कारण जवाब दे रही हैं, उनसे पेशी की वास्तविक कमजोरी में अंतर आपका चिकित्सक आपके कंधे में सुन्न करने वाली दवा डालकर कर सकता है। यदि टियर लग रहा है, एक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एमआरआई) स्कैन या शोल्डर अर्थोनाम निदान की पुष्टि कर सकता है। आर्थोग्राम जोड़ों में डाई डालने के बाद कंधे का लिया एक एक्सरे है। कंधे के एक्सरे की हमेशा जरूरत नहीं होती, लेकिन ये मददगार है यदि आपके कंधे को आघात पहुंचा है या आपका चिकित्सक आपकी गति की पूरी सीमा तक आपका कंधा नहीं घुमा सकता। यदि आपके लक्षण सफल उपचार के बाद वापसी कर रहे हैं या जा नहीं रहे, आपका चिकित्सक एक्सरे का आदेश दे सकता है। कभी कभी सूजी हुई पेशी पर कैल्शियम तलछट बनते हैं, जो कैल्सिफिक टैंडोनाइटिस नामक स्थिति उत्पन्न करते हैं।

रोटेटर कफ इंजरी के लक्षण

रोटेटर कफ की चोटें आपके कंधे और ऊपरी बांह में दर्द का कारण उत्पन्न करती हैं। दर्द सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण तब हो सकता है, जब आप अपने हाथ ऊपर या बाहर फैलाते हैं। जब आप अपने हाथ उठाते हुए घुमाते हैं, पेशियों की आसपास के ढांचों से रगड़ने की अधिक संभावना है। इस कारण जब आप अपने बालों में कंघी करने या अपनी बांह आस्तीन में डालने की कोशिश करते हैं, आपके कंधे के लक्षण सबसे बुरे हो जाते हैं। रात में आपको क्षीण, दुखता हुआ कंधे का दर्द हो सकता है। इसके अलावा रोटेटर कफ टियर्स जो पेशी के एक महत्वपूर्ण भाग को प्रभावित करते हैं, कंधे की कमजोरी उत्पन्न कर सकते हैं। आपकी बांह एक तरफ बाहर फैलाकर रखने की या कोई वस्तु उठाने की क्षमता को सीमित करते हैं। दर्द की वजह से कंधे का उपयोग करने में कठिनाई का मतलब हमेशा ये नहीं कि टियर है।

शरीर भी आर्थिक स्थिति देखकर देता है साथ

कहा जाता है कि बुरे समय में आपका सबसे अच्छा साथी आपका स्वास्थ्य होता है, लेकिन यह कहावत शायद पूरी तरह सच नहीं है, क्योंकि आपका शरीर भी आपकी आर्थिक स्थिति को देखकर आपका साथ देता है।

ब्रिटिश वैज्ञानिकों के दल ने इस बात का दावा किया है कि लंबी आयु के लिए जिम्मेदार हार्मोन भी तभी आपका साथ देता है, जब आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होती है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं ने पाया कि लंबी आयु के लिए जिम्मेदार हार्मोन डीएचईएएस (डी हाइड्रोइपिएंड्रोस्टोरेन सल्फेट) की अधिकतम मात्रा याददाश्त को बढ़ाने, तनाव को कम करने में मददगार होती है और खासकर यह पुरुषों में पचास साल की आयु के दौरान काम करने लगता है।

लंबी आयु के लिए जरूरी

शोध दल के प्रमुख सर माइकल ने बताया, मैं विश्वास से कह सकता हूं कि यह हमने पहली बार किया है। मेरा यह निजी तौर पर मानना है कि यह तनाव को कम करने का एक तरीका हो सकता है। आपके शरीर में हार्मोन डीएचईएएस (डी हाइड्रोइपिएंड्रोस्टोरेन सल्फेट) की अधिकतम मात्रा में मौजूदगी आपको लंबे समय तक जिंदा रखती है। गुर्दे के ऊपर स्थित एड्रीनल गंथि से स्रावित होने वाला यह हार्मोन उनमें अधिकतम मात्रा में पाया जाता है, जो ज्यादा व नियमित तौर पर व्यायाम करते हैं और ज्यादा खुशी, उत्साह, रोमांच और अपने दोस्तों व परिवार के साथ जिंदगी व्यतीत करते हैं। इस तरह का आरामदायक और विलासितापूर्ण जीवन जीना, तभी संभव है जब आपके पास अकूत धन हो।

उम्र बढ़ने पर होता है स्रावित

उम्र को लेकर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि एक दूसरा हार्मोन आईजीएफ (इंसुलिन लाइक ग्रोथ फैक्टर) भी उम्र बढ़ने के साथ कम मात्रा में स्रावित होने लगता है। ये दोनों हार्मोन सम्मिलित रूप में मिलकर तनाव की स्थिति को कम करते हैं। इसके साथ ही यह शरीर की अन्य जैविक गतिविधियों मसलन पाचन, प्रतिरक्षा तंत्र और ऊर्जा बनने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने का काम करते हैं। इस प्रयोग को करने के लिए शोधकर्ताओं के दल ने करीब पचास साल की उम्र के 1000 व्यक्तियों के खून के नमूने प्राप्त कर यह निष्कर्ष निकालने में कामयाबी पाई। सर माइकल ने कहा, हमने स्पष्ट रूप से पाया कि कम धनी लोगों के बीच तनाव, मोटापा और अनियमित शारीरिक व्यायाम, धूम्रपान की अधिकता तथा हरी सब्जियों और फलों का कम मात्रा में सेवन कुछ ऐसे कारक थे, जो उनके बीच मधुमेह और उच्च रक्तचाप की समस्या को उत्पन्न करने के लिए जिम्मेदार थे।

हार्मोन को सीधा बढ़ाएंगे

शोधकर्ताओं के मुताबिक इस नए शोध के परिणाम की वजह से ऐसी दवाओं के निर्माण का रास्ता खुल गया है, जिसके जरिए हम शरीर में इस तरह के हार्मोन को सीधे बढ़ा पाएंगे। शरीर में इस तरह के हार्मोन के स्तर को बढ़ाने का मामला केवल कुछ गोलियां खाकर पूरा नहीं हो सकता। इस हार्मोन का स्राव बचपन और युवावस्था में काफी मात्रा में होता है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ ही इसके स्राव में गिरावट आने लगती है। अस्सी की उम्र में तो इसकी स्रावित मात्रा युवावस्था के मुकाबले में केवल दस प्रतिशत ही रह जाती है।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267